सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 57 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 10 दिसंबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

अग्निवीर भर्ती में युवक की मौत, डॉक्टरों और परिजनों ने बताया सिकल सेल से ग्रसित था युवक

रायगढ़। बोईरदादर स्टेडियम में जारी अग्निवीर भर्ती रैली के संबंध में, सेना के आयोजको के माध्यम से प्राप्त प्राथमिक जानकारी अनुसार 9 दिसंबर 2024 सोमवार को मनोज कुमार साहू, पिता अनिल कुमार साहू भर्ती केन्द्र स्टेडियम रायगढ़ में बेहोश हो गया। रायगढ़ मेडिकल कॉलेज के विशषज्ञो की टीम के द्वारा समुचित ईलाज किया गया। परंतु अभ्यर्थी की स्थिति अति गंभीर होने के कारण दिनांक 09 दिसंबर 2024 को रात्रि 11:35 बजे मृत्यु हो गई। परिजनोइस मामले में परिजनो के कथनानुसार एवं चिकित्सको के जांच अनुसार यह पाया गया कि, अभ्यर्थी मनोज कुमाार साहू पूर्व से सिकलसेल बीमारी से ग्रसित था। 10 दिसंबर 2024 को प्रात:काल में परिजनो की उपस्थिति में मेडिकल कॉलेज के विशेषज्ञ चिकित्सको की टीम द्वारा पोस्टमार्टम किया गया, जिसके पश्चात् परिजन को शव सुपुर्द करके तहसीलदार एवं सीईओ जनपद के साथ गृह ग्राम खोरपा, तह-अभनपुर जिला रायपुर भेजा गया। जिला प्रशासन द्वारा अंतिम संस्कार हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया। एवं मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से भी 10 लाख रूपयें के आर्थिक सहयोग प्रदान किया जायेगा।

टीएस सिंहदेव ने की मुख्यमंत्री साय की तारीफ कांग्रेस में बवाल, बैज बोले यह उनकी निजी राय

700 बिस्तर अस्पताल के ई-टेंडर जारी होने पर सिंहदेव ने एक्स पर पोस्ट कर दी थी शुभकामना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के सबसे बड़े अस्पताल डॉ भीम राव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय (मेकाहारा) में 700 बिस्तर के नए भवन का ई-टेंडर जारी हुआ। इसे लेकर कांग्रेस में दो फाड़ दिख रही है। पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने विष्णुदेव सरकार के इस कार्य की सराहना करते हुए तारीफ की। एक्स हैंडल पर उन्होंने पोस्ट कर अपनी बात रखी। टीएस सिंहदेव के पोस्ट पर सीएम साय ने उनका आभार जताया। वहीं कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने एक दिन बाद पोस्ट कर मेकाहारा को बीमारू अस्पताल बताया और टीएस सिंहदेव के पोस्ट को उनका व्यक्तिगत पोस्ट बताया।

बता दें प्रदेश की विष्णु देव साय सरकार ने डॉ भीम राव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय (मेकाहारा) में 700 बिस्तर के नए भवन का ई-टेंडर जारी किया। 700 बिस्तर के नए भवन का शीलान्यास पूर्व की कांग्रेस सरकार में डिप्टी सीएम व स्वास्थ्य मंत्री रहे टीएस

सिंहदेव ने तात्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ किया था। इसके बाद सरकार बदल गई और भाजपा को बहुमत मिला। एक साल के कार्यकाल के बाद सीएम साय की अगुवाई में 700 बिस्तर अस्पताल भवन के निर्माण के लिए ई-टेंडर जारी किया गया। भाजपा सरकार के इस निर्णय पर पूर्व डिप्टी सीएम सिंहदेव ने एक्स पर पोस्ट कर सराहना की।

पूर्व डिप्टी सीएम सिंहदेव ने सीएम साय को दी शुभकामना

पूर्व पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि मेकाहारा में एकीकृत नवीन भवन के निर्माण कार्य के टेंडर निकालने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को शुभकामनाएं। कांग्रेस की सरकार के दौरान हमारे द्वारा शुरू की गई इस पहल के अगले चरण में पूर्ण होने से प्रदेश की जनता को लाभ मिलेगा। काफ़ी अथक प्रयासों से इस बिल्डिंग के लिए सभी प्रक्रियाओं को पूरा किया गया था। जैसे की नाबार्ड से लोन लेना, भवन का नक्शा तैयार करना इत्यादि। दुख इस बात का है कि हम इसे अपने शासन काल में पूर्ण नहीं कर पाए। लेकिन यह देख अच्छा लगा कि आप इसे आगे ले जा रहे हैं। जनसेवा के कार्यों को यूं ही दलगत राजनीति, और सरकारों के परे जाकर विस्तार दिया जाना चाहिए।

सीएम साय ने जताया टीएस सिंहदेव का आभार

कांग्रेस नेता व पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव के पोस्ट पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने भी रिप्लाई दिया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि टीएस सिंहदेव जी, आपकी इस शुभेच्छा के लिए आभार! बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए हमारी सरकार निरंतर कार्य कर रही है। जनसुविधा के कार्यों में दलगत राजनीति को कभी आड़े नहीं आने देना चाहिये। हम पहले के सभी अधूरे कार्यों को भी बिना किसी पूर्वाग्रह के पूरा कर रहे हैं। पुन: धन्यवाद।

अगले दिन कांग्रेस ने पोस्ट कर अस्पताल को बीमार बताया

टीएस सिंहदेव के पोस्ट के अगले ही दिन कांग्रेस के ऑफिशियल एक्स अकाउंट आईएनसी छत्तीसगढ़ पर प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अंबेडकर अस्पताल को बीमारू बताया है। इस पोस्ट में अस्पताल में सर्दी-जुकाम की दवा तक नहीं होने का हवाला देकर एक कार्टून पोस्ट किया गया है। इसके बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि यह कांग्रेस का नहीं उनका व्यक्तिगत आकलन है। इधर बैज के बयान के बाद भाजपा ने चुटकी ली। बीजेपी प्रवक्ता केदार गुप्ता ने कहा कि हमारी सरकार में स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ रही हैं, जिसकी तारीफटीएस सिंहदेव ने की और उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार इस पर कुछ नहीं कर पाई जिसका उन्हें दुख है। दीपक बैज अब इसी का विरोध कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के 33 जिलों के लिए प्रभारी सचिव नियुक्त, योजनाओं के क्रियान्वयन और विकास कार्यों की करेंगे मॉनिटरिंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन और विकास कार्यों की मॉनिटरिंग के लिए प्रभारी सचिव नियुक्त किए गए हैं। संबंधित जिले के प्रभारी सचिव, जिले में संचालित योजनाओं और विकास कार्यों की सतत् मॉनिटरिंग करेंगे, ताकि विकास कार्यों को गति दी जा सके।

सामान्य प्रशासन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार अपर मुख्य सचिव रेणु पिल्ले को धमतरी जिला का प्रभारी सचिव नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू को दुर्ग, ऋचा शर्मा को रायपुर, मनोज कुमार पिंगुआ को बिलासपुर जिला, प्रमुख सचिव निहारिका बारिक को महासमुंद जिले का प्रभारी सचिव नियुक्त किया गया है। प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा को जांजगीर चांपा, सचिव रोहित यादव को कोरबा का प्रभार दिया गया।

इसी प्रकार सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह को बस्तर, सचिव परदेशी सिद्धार्थ कोमल को बलौदाबाजार-भाटापारा, सचिव अविनाश चंपावत को राजनांदगांव, सचिव प्रसन्ना आर. को कबीरधाम, सचिव श्री अम्बलगन पी. को जशपुर, सचिव आर शंगीता को सारंगढ़-बिलाईगढ़, सचिव रजत कुमार को रायगढ़, सचिव राजेश सुकुमार टोप्पो को नारायणपुर, सचिव एस. प्रकाश को कोरिया, सचिव अंकित आनंद को बालोद, सचिव डॉ. सीआर प्रसन्ना को बेमेतरा, सचिव भुवनेश यादव को सूरजपुर, सचिव एस. भारतीदासन को मुंगेली जिले का प्रभारी सचिव नियुक्त किया गया है। सचिव शम्मी आबिदी को कांकेर, सचिव हिमशिखर गुप्ता को गरियाबंद, सचिव मो. कैसर अब्दुलहक को गौरला-पेण्ड्रा-मरवाही, सचिव यशवंत कुमार को बलरामपुर-रामानुजगंज, सचिव भीम सिंह को कोण्डागांव, सचिव शिखा राजपूत तिवारी को खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, सचिव नरेन्द्र कुमार दुग्गा को सुकमा, आयुक्त किरण कौशल को सक्ती, संचालक सौरभ कुमार को दंतेवाड़ा, संचालक सुनील कुमार जैन को सरगुजा, विशेष सचिव जयप्रकाश मौर्य को मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी, विशेष सचिव सारांश मित्तर को बीजापुर और प्रबंध संचालक रमेश कुमार शर्मा को मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले का प्रभारी सचिव नियुक्त किया गया है।

राज्यसभा में धनखड़ के खिलाफ विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव, 60 सांसदों के हस्ताक्षर

नईदिल्ली ए.। राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफअविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। उच्च सदन में विपक्ष ने इस संबंध में नोटिस दिया है। विपक्षी दलों ने मंगलवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने के लिए अनुच्छेद 67बी के तहत नोटिस दिया। नोटिस राज्यसभा महासचिव पीसी मोदी को सौंपा गया है।

इससे पहले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और विपक्षी दलों के नेताओं के बीच टकराव सोमवार को चरम पर पहुंच गया था। इस टकराव के बाद विपक्ष ने धनखड़ को उनके कार्यकाल से हटाने के लिए एक अविश्वास प्रस्ताव लाने फैसला किया।

सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस, राजद, टीएमसी, सीपीआई, सीपीआई-एम, जेएमएम, आप, डीएमके समेत करीब 60 विपक्षी सांसदों ने नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। कांग्रेस की अगुआई में यह नोटिस विपक्षी दलों और राज्यसभा के सभापति के बीच जारी गतिरोध के मद्देनजर आया है। उपराष्ट्रपति को हटाने के लिए प्रस्ताव पेश करने के लिए न्यूनतम आवश्यक संख्या 50 है। जबकि 60 सांसदों ने हस्ताक्षर कर दिए।

मुफ्त की रेवड़ी पर अब सुप्रीम कोर्ट

श्रीकंचनपथ

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से पूछा है कि वह कब तक मुफ्त का राशन बांटेगी। कोर्ट ने सरकार से पूछा कि रोजगार के अवसर क्यों नहीं पैदा किये जा रहे। कोर्ट ने चिंता जताई कि 81 करोड़ लोगों को मुफ्त या रियायती राशन मिल रहा है। ऐसा लगता है कि केवल करदाता आबादी ही इससे बाहर रह गई है। दरअसल, मुफ्त की रेवड़ियां केवल जुमलेबाजी है। कोई भी रेवड़ी मुफ्त की नहीं होती। इसके बदले में रेवड़ी पाने वाला अपना भविष्य सरकार के हवाले कर देता है। वैसे ये करदाता वाली ड्रामेबाजी भी अब ज्यादा दिनों की मेहमान नहीं है। जीएसटी सभी लोग पटाते हैं। 2022-23 में जीएसटी से वास्तविक प्राप्तियां 8 लाख 48 हजार 132 करोड़ रुपए थे। आयकर से सरकार को 8 लाख 33 हजार 987 हजार करोड़ रुपए मिले थे। कार्पोरेट टैक्स से सरकार को 8 लाख 25 हजार 833 करोड़ रुपए मिले थे। विश्व बैंक की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार प्रतिदिन 180 रुपए कमाने वाले गरीबों की कुल संख्या भारत में करीब 13 करोड़ थी। यह गरीबी रेखा की परिभाषा के अंतर्गत है। वास्तविक गरीबों की संख्या इससे कहीं ज्यादा है। प्रतिदिन 400 या 500 रुपए कमाना वाला भी आज की जीवनशैली के लिहाज से गरीब ही है। वैसे भी सरकार राशन पर खर्च ही कितना करती है। इससे ज्यादा पैसे तो वह महतारी वंदन, लाडकी बहना जैसी योजनाओं पर खर्च कर देती है। शिक्षा और स्वास्थ्य मौलिक अधिकार हैं। स्वास्थ्य का अधिकार जीवन के अधिकार का अभिन्न अंग है और इसलिए भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत भारत के प्रत्येक नागरिक को गारंटीकृत एक मौलिक अधिकार है। इसी तरह 1 अप्रैल 2010 के बाद शिक्षा भी मौलिक अधिकारों में शामिल हो गया है। पर जब दिल्ली सरकार ने शिक्षा और स्वास्थ्य को मुफ्त करने की घोषणा की तो उसे रेवड़ी की संज्ञा देकर उसका मजाक उड़ाया गया। पर इसके बाद मजाक उड़ाने वाले स्वयं रेवड़ियों का पूरा ठेला लेकर आ गए। देश के मुट्ठी भर आयकर दाताओं को यह बहुत अखरा पर उनकी संख्या इतनी कम है कि लोकतंत्र को उससे धेला भर भी फर्क नहीं पड़ता। असली पीड़ा तो हुई छोटे और सीमांत किसानों तथा शहरों में रहने वाले मिडिल क्लास लोगों को। इन्हें मजदूर मिलना लगभग बंद हो गया। इधर, यूपीआई पेमेंट के चलते छोटे से छोटे चाय, भजिया गुमटियों के लिए भी मोबाइल अनिवार्य हो गया। कोरोना काल ने विद्यार्थियों के लिए स्मार्टफोन को अनिवार्य कर दिया। अब तो मोबाइल नंबर, आधार नंबर और राशन कार्ड से भी ज्यादा जरूरी हो गया है। परिवारों के खर्च लगातार बढ़ रहे हैं। हमें समझना होगा कि मुफ्त राशन, आयुष्मान कार्ड और लाडकी बहिन योजना से वोट तो कबाड़े जा सकते हैं पर लोगों का जीवन स्तर नहीं सुधारा जा सकता। उचित होगा कि सरकार केवल शिक्षा और स्वास्थ्य की जिम्मेदारी ले। यहीं आकर गरीब की गाड़ी अटक जाती है।

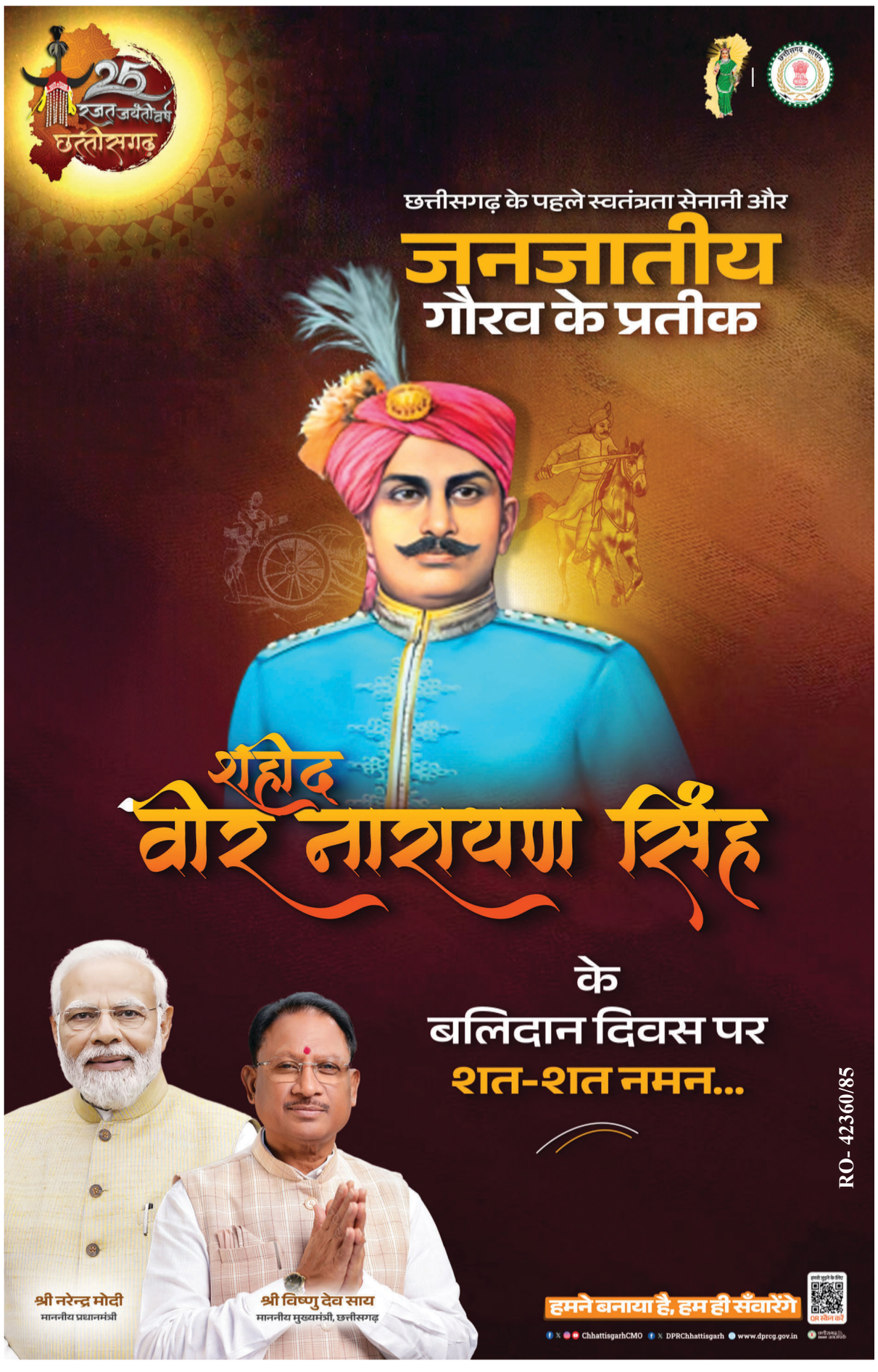

संपादकीय

आर्थिक बदहाली की सीधे जिम्मेदार सरकार

सरकार ने पेट्रोलियम की कीमतों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने की नीति पर सचमुच अमल किया होता, तो साढ़े 36 लाख करोड़ रुपये लोगों की जेब में बचते। इतना पैसा उपभोग क्षेत्र में जाता। बेशक उससे बाजार को जो बल मिल सकता था।

संसद में बताया गया है कि 2019-20 से 2023-24 तक केंद्र सरकार ने पेट्रोलियम पर कर/ उपकर/ शुल्क से 36,58,354 करोड़ रुपये वसूले। ध्यान दीजिए: 2024-25 के आम बजट में सरकार की कुल आमदनी का अनुमान 30,80,274 करोड़ रुपए लगाया गया है।

2019-20 में यह रकम 20,82,589 करोड़ रुपये थी। तो पांच साल में पेट्रोलियम पर टैक्स से सरकार ने उतनी रकम बटोर ली, जो इनमें से किसी एक वर्ष में उसे हुई आमदनी से ज्यादा है। इस दौर में बुनियादी मानव विकास से संबंधित योजनाओं के बजट में कटौती का सिलसिला भी चला है। तो वाजिब सवाल कि है सारी अतिरिक्त आय गई कहां? अब इसी हफ्ते कुछ संकेत संसद में दिए गए एक अन्य आंकड़े पर गौर करे: 2023-24 सरकारी बैंकों ने एक लाख 70 हजार करोड़ रुपए के ऋण माफ कर दिए। पांच साल में ये रकम लगभग नौ लाख करोड़ रुपये बैठती है। इसके अलावा सरकार कह सकती है कि वह इन्फ्रास्ट्रक्चर में पूंजीगत निवेश पर हर साल दस लाख करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च कर रही है। देश में मैनुफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इन्सेंटिव योजना पर भी बड़ी रकम खर्च हुई है।

> कल्पना कीजिए कि सरकार ने पेट्रोलियम की कीमतों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने की नीति पर सचमुच अमल किया होता। तब साढ़े 36 लाख करोड़ रुपये लोगों की जेब में बचते। इतना पैसा उपभोग क्षेत्र में जाता। उससे बाजार को जो बल मिलता, वह बेशक आर्थिक आंकड़ों में झलकता। तो क्या आज की आर्थिक बदहाली की सीधी जिम्मेदारी सरकार पर नहीं जाती है?

इसके अलावा 2019 में कॉरपोरेट टैक्स में दी गई छूट के कारण सरकार पर लाखों करोड़ रुपये का बोझ पड़ा। बहरहाल, यह प्रश्न अनुत्तरित है कि की सरकार की इन प्राथमिकताओं से आम जन को क्या हासिल हुआ? जिस समय मध्य वर्ग का ह्रास एक आम कथानक बन चुका हो और उद्योग जगत बाजार सिकुड़ने की शिकायत कर रहा हो, तो यह अवश्य पूछा जाएगा कि आम लोगों की जेब से कॉरपोरेट सेक्टर धन ट्रांसफर करने की नीति पर पुनर्विचार करने के लिए सरकार तैयार क्यों नहीं है? कल्पना कीजिए कि सरकार ने पेट्रोलियम की कीमतों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने की नीति पर सचमुच अमल किया होता। तब साढ़े 36 लाख करोड़ रुपये लोगों की जेब में बचते।

इतना पैसा उपभोग क्षेत्र में जाता। उससे बाजार को जो बल मिलता, वह बेशक आर्थिक आंकड़ों में झलकता। तो क्या आज की आर्थिक बदहाली की सीधी जिम्मेदारी सरकार पर नहीं जाती है?

रैगिंग के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएं

योगेश कुमार गोयल

पिछले दिनों गुजरात के पाटन में एक मेडिकल कॉलेज में रैगिंग के कारण 18 साल के एक छात्र की मौत के बाद उम्मीद जगी थी कि कॉलेजों में रैगिंग के मामलों पर रोक लगेगी लेकिन उसके बाद भी जिस प्रकार आये दिन देश भर से रैगिंग के मामले सामने आ रहे हैं, उन्हें देखते हुए कॉलेजों में रैगिंग को लेकर तत्काल कड़े कदम उठाने की जरूरत महसूस होने लगी है। पाटन मेडिकल कॉलेज में रैगिंग से छात्र की मौत के मामले में खुलासा हुआ है कि 15 सीनियर छात्रों ने उस जूनियर छात्र सहित कई छात्रों से लगातार तीन घंटे डांस करवाया, गाने गवाए और उन्हें शारीरिक-मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। मानसिक-शारीरिक यातना दिए जाने के कारण अनिल मेथानिया आधी रात को बेहोश होकर गिर पड़ा। उसे अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मेडिकल कॉलेज के द्वितीय वर्ष के 15 छात्रों को गैर-इरादतन हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। रैगिंग पर लगाम कसने को लेकर देश भर के तमाम शिक्षण संस्थानों में सख्ती बेहद जरूरी है क्योंकि हर साल ऐसे अनेक मामले सामने आते हैं, जिनमें रैगिंग के शिकार छात्र अवसाद के शिकार हो जाते हैं, कुछ रैगिंग से डर कर पढ़ाई बीच में छोड़ देते हैं, तो कुछ मौत को गले लगा लेते हैं। रैगिंग रोकने के लिए सख्त अदालती दिशा-निर्देश हैं, लेकिन जिस प्रकार रैगिंग के मामले सामने आ रहे हैं, उससे चिंता बढना स्वाभाविक है। हिमाचल के एक मेडिकल कॉलेज में 2009 में रैगिंग से एक छात्र की मौत के बाद सुप्रीम कोर्ट ने देश के शिक्षण संस्थानों में रैगिंग विरोधी कानून सख्ती से लागू करने के आदेश दिए थे, जिसके तहत दोषी पाए जाने वाले छात्र को तीन साल के सश्रम कारावास और आर्थिक दंड का प्रावधान था। दोषी छात्र को कॉलेज तथा हॉस्टल से निलंबित या बर्खास्त किया जा सकता है। उसकी छात्रवृत्ति तथा अन्य सुविधाओं पर रोक, परीक्षा देने या परीक्षा परिणाम घोषित करने पर प्रतिबंध लगाने के अलावा अन्यत्र उसके दाखिले पर भी रोक लगाई जा सकती है। रैगिंग के मामले में कार्रवाई न करने अथवा मामले की अनदेखी करने पर कॉलेज के खिलाफ भी कार्रवाई हो सकती है, जिसमें कॉलेज पर आर्थिक दंड लगाने के अलावा कॉलेज की मान्यता रद्द करने का भी प्रावधान है।

अदालत के दिशा-निर्देशों के तहत किसी छात्र के रंग-रूप या उसके पहनावे पर टिप्पणी करके उसके स्वाभिमान को ठेस पहुंचाना, उसकी क्षेत्रीयता, भाषा या जाति के आधार पर उसका अपमान करना, उसकी नस्ल या पारिवारिक पृष्ठभूमि पर अभद्र टिप्पणी करना या उससे जबरन किसी प्रकार का अनावश्यक कार्य कराया जाना रैगिंग के दायरे में सम्मिलित किया गया है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा देश के प्रत्येक उच्च शिक्षण संस्थान में रैगिंग के खिलाफ एक समिति बनाने से लेकर संबंधित नियमों का पालन नहीं करने पर संस्थान की मान्यता रद्द करने तक के सख्त निर्देश हैं, लेकिन रैगिंग के लगातार सामने आते मामलों को देख कर हैरानी होती है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अरिजीत पसायत, जस्टिस डी. के. जैन तथा जस्टिस मुकुंदकम शर्मा की खंडपीठ ने रैगिंग रोकने के लिए 11 फरवरी, 2009 को पहली बार बेहद कड़ा रुख अपनाते हुए कहा था कि रैगिंग में मानवाधिकार हनन जैसी गंध आती है। खंडपीठ ने राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों को शिक्षण संस्थानों में रैगिंग पर रोक लगाने के लिए राघवन कमेटी की सिफारिशों को सख्ती से लागू करने का निर्देश देते हुए कहा था कि रैगिंग रोकने में विफल शिक्षण संस्थाओं की मान्यता रद्द करें। 2001 में भी सुप्रीम कोर्ट ने उन्नीकृष्णन समिति की सिफारिश के आधार पर रैगिंग पर प्रतिबंध लगाते हुए इसके लिए कठोर सजा का प्रावधान करते हुए अपने आदेश में स्पष्ट कहा था कि शिक्षा परिसरों में रैगिंग रोकना शिक्षा संस्थानों का नैतिक ही नहीं, कानूनी दायित्व भी है, जिसे न रोक पाना दंडनीय अपराध की श्रेणी में लाया जाएगा और ऐसे संस्थानों की संबद्धता तथा उन्हें प्रदत्त सरकारी वित्तीय सहायता समाप्त की जा सकती है। कोर्ट का स्पष्ट कहना था कि रैगिंग के नाम पर दुर्व्यवहार रोकना कॉलेज प्रबंधन, प्राचार्य,अधिकारियों तथा छात्रावास अधीक्षकों की जिम्मेदारी बनती है। एक विद्यार्थी कितने सपने संजो कर कॉलेज की दहलीज पर पहला कदम रखता है, और उससे भी अधिक उसके माता-पिता या अभिभावकों की आशाएं और अरमान उससे जुड़े होते हैं किंतु रैगिंग रूपी दानव एक ही झटके में उन सपनों, आशाओं और अरमानों पर भारी पड़ जाता है।

नजरिया

खाद्य पदार्थों की कीमतें तेजी से बढ़ी

आज भारत में महंगाई 6 प्रतिशत से कुछ ऊपर है, जापान, चीन, सऊदी अरब में तीन प्रतिशत के लगभग है, जबकि रूस, जर्मनी, नीदरलैंड, इटली और यूके में 10 प्रतिशत के ऊपर है, तुर्की और अर्जेंटीना में 83 प्रतिशत तक की महंगाई दर्ज की गई। दिवालिया होने के कगार पर पहुंचे देशों में महंगाई चरम सीमा पर पहुंच जाती है जैसे श्रीलंका में हुआ था और पाकिस्तान में हो रहा है। महंगाई पर नियंत्रण का सबसे अच्छा तरीका है उत्पादन में वृद्धि एवं प्रभावशाली विपणन-वितरण व्यवस्था।

प्रो. लल्लन प्रसाद

अक्टूबर, 2024 में महंगाई दर 6.21 प्रतिशत पर पहुंच गई जो पिछले 14 महीने का सबसे ऊंचा स्तर है, यह रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की 4-6त्न की सीमा, जो अर्थव्यवस्था के लिए सुरक्षित मानी जाती है, के ऊपर है, जो चिंता का विषय है। खाद्य पदार्थों की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं।

यह स्थिति ऐसे में है जब अधिकांश खाद्य पदार्थों की पैदावार कम नहीं हुई है। एक अनुमान के अनुसार वितरण की अव्यवस्था के कारण लगभग 20त्न गल्ला उन लोगों तक नहीं पहुंच पाता जिनको उसकी आवश्यकता है। फर्जी राशन कार्ड और राशन कार्ड के दुरुपयोग और काले बाजार में गल्ला बेचने की घटनाएं आम हैं। व्यापारियों और अमीर किसानों द्वारा गल्ले का स्टॉक बढ़ा कर कीमतों को प्रभावित करने पर सरकारी नियंत्रण कमजोर है।

तेजी से बढ़ती आबादी के कारण खाद्य पदार्थों की मांग भी बढ़ रही है। इसमें संदेह नहीं किंतु कीमतें उससे भी अधिक तेजी से बढ़ रही हैं। कुछ खाद्य पदाथरे की मांग-पूर्ति में बड़ा अंतर है, जिसके कारण उनकी कीमतों पर लगाम लगाना सरकार के लिए मुश्किल हो रहा है जैसे दालें, मौसमी सब्जियां, फल आदि। शाकाहारी लोगों की थालियां ही महंगी नहीं हुई हैं, वे लोग भी जो मांस, मछली, चिकन आदि का सेवन करते हैं, बढ़ती कीमतों से त्रस्त हैं।

खाद्य पदार्थों के अतिरिक्त रोजमर्रा के उपयोग की चीजें-घी, तेल, साबुन, मसाले और किराने के अधिकांश सामान महंगे होते जा रहे हैं, जो लोगों की जेब पर भारी पड़ रहे हैं। कीमतों में वृद्धि के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यालय मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार भारत की उपभोक्ता मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति सितम्बर, 2024 में बढ़ कर 5.4 9त्न हो गई। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए मुद्रास्फीति दर क्रमशः 5.87त्न और 5.05त्न थी।

अक्टूबर के आंकड़े और भी निराशाजनक थे, महंगाई दर 6.21त्नपर पहुंच गई, ग्रामीण क्षेत्रों के लिए यह 6.68त्न और शहरी क्षेत्रों के लिए 5.62त्न थी। शहर वालों की अपेक्षा गांव के लोगों पर महंगाई की मार अधिक देखी गई। रिजर्व बैंक ने महंगाई की इस स्थिति का संज्ञान लेते हुए अल्पकालीन ऋण दर को बदलने से मना कर दिया और सरकार को सुनिश्चित करने को कहा कि मुद्रास्फीति मार्जिन को चार प्रतिशत पर लाने की कोशिश करे।

गेहूं की कीमत पिछले कुछ वर्षो से लगातार तेजी से ऊपर जा रही हैं। 2010 में गेहूं की औसत कीमत 1100 रुपये प्रति क्विंटल थी जो 2015-16 में 1450 पर आ गई, अक्टूबर, 2024 में यह 2700 के ऊपर पहुंच गई। किसानों को इसका लाभ मिला किंतु उतना नहीं जितना अपेक्षित था क्योंकि इनपुट कीमतें खाद, बीज, डीजल, भाड़ा, श्रम, सभी महंगे होते गए। सरकार ने 2024-25 के लिए गेहूं की न्यूनतम खरीद दर 2425 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित की जिसे किसान बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। आम उपभोक्ता गेहूं की बढ़ती कीमतों से त्रस्त हैं। गरीबी में आटा गीला की कहावत चरितार्थ हो रही है। दालें शाकाहारी खाने में प्रोटीन की मुख्य स्रोत हैं, उनकी कीमतें पिछले कई वर्षो से लगातार बढ़ती जा रही हैं।

2020 में अरहर की दाल 80 रुपये प्रति किलो थी जो अब 180 प्रति किलो के लगभग है। अधिकांश दालों की खुदरा कीमत बाजार में 100 रुपये प्रति किलो के ऊपर है। दुनिया के दालों के कुल उत्पादन में भारत का हिस्सा 25त्न है, किंतु यह मांग से कम है, आयात की आवश्यकता पड़ती है। सब्जियों की कीमतें तो मौसम के अधीन रहती हैं, जिन पर जलवायु परिवर्तन का असर बराबर देखा जा रहा है।

पिछले कुछ महीनों से टमाटर, आलू, प्याज आदि की कीमतें आसमान छू रही हैं। आटा, दाल, सब्जी और मसालों की कीमतों में लगातार बढ़त घर के खाने की थाली दिनोंदिन महंगी करती जा रही है, औसतन 10त्न प्रति वर्ष से अधिक की वृद्धि हो रही है। ढाबों से लेकर रेस्टोरेंट, होटल सभी में खाना महंगा होता जा रहा है। मांस, मछली, चिकन, अंडे की कीमतों में भी लगातार वृद्धि हो रही है। दूध उत्पादन में विगत वर्षो में अच्छी वृद्धि हुई है किंतु साथ ही कीमतें भी बढ़ी हैं। 2018-19 में भारत में दूध का उत्पादन 180 मिलियन टन के लगभग था जो 2023-24 में बढ़ कर 240 मिलियन के ऊपर पहुंच गया। इस बीच, दूध की सभी बड़ी कंपनियों ने कई बार कीमतों में वृद्धि की। देसी घी, खोवा और उनसे बनने वाली मिठाइयों की कीमतें भी बढ़ती जा रही हैं।

खाद्य पदार्थों के अतिरिक्त रसोई गैस, पेट्रोल, डीजल, सोना-चांदी, आभूषणों, प्रसाधन के सामानों आदि की कीमतों में उतार-चढ़ाव भी आम आदमी को प्रभावित करता है। 2020 में 14.2 केजी रसोई गैस सिलेंडर की कीमत सब्सिडी बिना 590 रुपये के लगभग थी, जो 2019 में 680 हो गई और वर्तमान में 800 के करीब है, विभिन्न राज्यों में कीमतों में कुछ अंतर है क्योंकि टैक्स की दरें एक सी नहीं हैं। पेट्रोल-डीजल कीमतों में भी इसी कारण राज्यों में अंतर है। इनकी कीमतें अंतरराष्ट्रीय कीमतों पर निर्भर करती हैं, जिनमें उतार-चढ़ाव होते रहते हैं। इनकी कीमतों में बढ़त पूरी अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती है, चीजों को महंगी कर देती है क्योंकि ट्रांसपोर्ट का खर्च बढ़ जाता है, किराया भाड़ा महंगा हो जाता है। रेल, रोड, हवाई यातायात सभी महंगे हो जाते हैं। पांच वर्षो पूर्व दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 60 रुपये प्रति लीटर थी जो आज 95 के लगभग है। सोने की खपत विश्व में सबसे ज्यादा भारत में है। 2020 में 10 ग्राम 24 कैरट सोने का दाम 48600 रुपये था जो इस समय 74000 के करीब है।

महंगाई वैश्विक समस्या है। सिर्फ भारत की नहीं है। महंगाई के मामले में भारत विश्व में दसवें स्थान पर है। कहावत है कि अर्थशास्त्र का इतिहास महंगाई का इतिहास है। इसमें कोई संदेह नहीं। हर व्यक्ति अपने जीवन में यह महसूस करता है। चाहे किसी भी देश का हो। पिछले कुछ वर्षो में भारत में महंगाई की अधिकतम दर 13.9 प्रतिशत, 1991 में दर्ज की गई थी। आज भारत में महंगाई 6 प्रतिशत से कुछ ऊपर है, जापान, चीन, सऊदी अरब में तीन प्रतिशत के लगभग है, जबकि रूस, जर्मनी, नीदरलैंड, इटली और यूके में 10 प्रतिशत के ऊपर है, तुर्की और अर्जेंटीना में 83 प्रतिशत तक की महंगाई दर्ज की गई। दिवालिया होने के कगार पर पहुंचे देशों में महंगाई चरम सीमा पर पहुंच जाती है जैसे श्रीलंका में हुआ था और पाकिस्तान में हो रहा है। महंगाई पर नियंत्रण का सबसे अच्छा तरीका है उत्पादन में वृद्धि एवं प्रभावशाली विपणन-वितरण व्यवस्था।

भारतीय संविधान में कलात्मकता

गजेंद्र सिंह शेखावत
केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री, भारत सरकार

हमारा भारत देश संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत का एक जीता जागता अनुभव है। इसके इतिहास को सरल शब्दों में व्यक्त करना अत्यंत कठिन है। इससे भी अधिक कठिन है पांच हजार से अधिक वर्षों की सभ्यता के इतिहास को एक दस्तावेज़ के रूप में व्यक्त करना, जो देश की स्वतंत्रता के समय एक नए स्वतंत्र हुए राष्ट्र के भाग्य का मार्गदर्शन करने वाला हो। लेकिन आचार्य नंदलाल बोस केवल एक कलाकार नहीं थे और भारत के संविधान पर चित्रण उनके लिये केवल एक और कार्य नहीं था। संविधान में चित्रण के लिए उनकी दृष्टि हड़प्पा सभ्यता के समय से लेकर स्वतंत्रता प्राप्ति के समय तक भारत की यात्रा का वर्णन करती है।

यह सभी चित्रण संविधान के अंतिम पृष्ठ पर सूचीबद्ध हैं और उन्हें बारह ऐतिहासिक काल में वर्गीकृत किया गया है: मोहनजोदड़ो काल, वैदिक काल, महाकाव्य काल, महाजनपद और नंद काल, मौर्य काल, गुप्त काल, मध्यकालीन काल, मुस्लिम काल, ब्रिटिश काल, भारत का स्वतंत्रता आंदोलन, स्वतंत्रता के लिए क्रांतिकारी आंदोलन और प्राकृतिक विशेषताएँ।

संविधान की शुरुआत हमारे राष्ट्रीय प्रतीक के चित्रण से होती है। नंदलाल बोस इस बात को लेकर बहुत स्पष्ट थे कि प्रतीक में शेर बिल्कुल असली शेरों की तरह दिखें, उनकी चाल और चेहरे के हाव-भाव सही हों और आयु के हिसाब से उनमें बदलाव हो। राष्ट्रीय प्रतीक के डिजाइनर दीनानाथ भार्गव, जो उस समय कला भवन में एक युवा छात्र थे, इस कलाकृति को चित्रित करने से पहले शेरों के हाव-भाव, शारीरिक भाषा और तौर-तरीकों का अध्ययन करने के लिए महीनों तक कोलकाता चिड़ियाघर गए। प्रस्तावना पृष्ठ और कई अन्य पृष्ठों को बेहर राममनोहर सिन्हा ने डिजाइन किया था। नंदलाल बोस ने बिना किसी बदलाव के प्रस्तावना हेतु सिन्हा जी की बनाई कलाकृति का समर्थन किया। इस पृष्ठ पर निचले दाएं कोने में देवनागरी में सिन्हा का संक्षिप्त हस्ताक्षर राम है।

संविधान की प्रस्तावना एक हाथ से लिखा हुआ लेख है जो आयताकार बॉर्डर से घिरा हुआ है। बॉर्डर के चार कोनों में चार पशुओं को दर्शाया गया है। दर्शाए गए चार जानवर भारत के राष्ट्रीय प्रतीक के आधार से लिए गए हैं। बॉर्डर की कलाकृति में कमल की आकृति प्रमुखता से दिखाई देती है। कमल की आकृति बॉर्डर कलाकृति में प्रमुखता से दिखाई देती है।

संविधान का प्रत्येक भाग एक चित्र से आरंभ होता है और अलग-अलग पृष्ठों पर अलग-अलग बॉर्डर डिज़ाइन दर्शाए गए हैं। कलाकारों के हस्ताक्षर चित्र पर

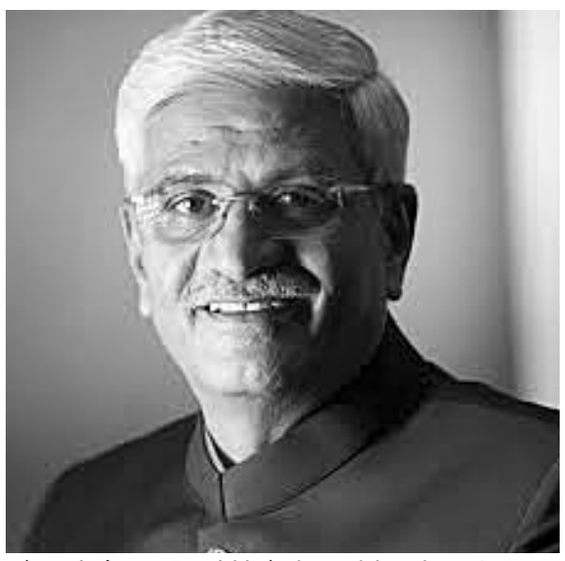

और बॉर्डर के पास दिखाई देते हैं जो इस प्रोजेक्ट में सभी के सहयोग को दर्शाता है। अनेक पृष्ठों पर कई हस्ताक्षर हैं जो बंगाली, हिंदी, तमिल और अंग्रेजी में दिखाई देते हैं। भारत के संविधान के भाग 19 में विविध विषयों से संबंधित एक चित्र है जिसमें नेताजी सैन्य पोशाक में अपने सैनिकों से घिरे हुए सलामी दे रहे हैं। नंदलाल बोस के हस्ताक्षर चित्रण पर दिखाई देते हैं और ए. पेरुमल के हस्ताक्षर पृष्ठ के बाएं निचले कोने पर दिखाई देते हैं। वे कला को लोगों तक ले जाने वाले कलाकार के रूप में प्रसिद्ध हुए। वे शांतिनिकेतन के गाँवों में जाते और संथाल घरों की दीवारों को जानवरों, पक्षियों और पेड़ों वाली प्रकृति की थीम से सजाते। वे शांतिनिकेतन के कला भवन में चार दशकों से अधिक समय तक नंदलाल बोस जैसे महान कलाकारों के साथ रहे और काम किया, उन्हें स्नेह से 'पेरुमलदा' कहा जाता था।

संविधान का भाग ङ्क, जो प्रथम अनुसूची के भाग में राज्यों से संबंधित है, वह ध्यान में बैठे भगवान महावीर की समृद्ध रंगीन चित्र से शुरू होता है, जिसमें वे अपनी आँखें बंद करके और हथेलियाँ एक दूसरे पर टिकाकर बैठे हुए हैं। भगवान महावीर के दोनों ओर एक-एक पेड़ हैं और प्रेम में एक मोर भी दिखाई दे रहा है जो प्रकृति में सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व को दर्शाता है। यह मूल संविधान के कुछ रंगीन चित्रों में से एक है। रंगीन चित्रों में जमुना सेन और नंदलाल बोस के हस्ताक्षर हैं। इस पृष्ठ पर बॉर्डर डिज़ाइन में राजनीति नामक कलाकार के हस्ताक्षर भी हैं।

भारतीय संविधान का भाग 15 चुनावों पर केंद्रित है। इस पृष्ठ पर दिए गए चित्रों में भारत के दो वीर सपूत छत्रपति शिवाजी महाराज और गुरु गोविंद सिंह को दिखाया गया है। इस पृष्ठ पर दिए गए चित्र धीरेंद्र कृष्ण देब बर्मन द्वारा बनाए गए हैं, जो त्रिपुरा राजघराने के सदस्य थे और रवींद्रनाथ टैगोर और नंदलाल बोस के साथ उनके घनिष्ठ संबंध थे। बॉर्डर डिज़ाइन पर कृपाल सिंह शेखावत के हस्ताक्षर हैं, जो भारत के एक प्रसिद्ध कलाकार और मिट्टी के बर्तन बनाने वाले थे, जिन्हें जयपुर की प्रतिष्ठित ब्लू पॉटरी की कला को पुनर्जीवित करने के लिए जाना जाता है।

शांतिनिकेतन में ललित कला संस्थान कला भवन ने भारत और दुनिया के सभी कोनों से छात्रों और कलाकारों को आकर्षित किया, इस प्रकार विभिन्न प्रभावों को समाहित करते हुए उत्कृष्टता की निरंतर खोज करते हुए एक इकोसिस्टम निर्मित किया और अंत में, एक अनूठी भारतीय शैली और कला निर्मित की। इस पर काम करने वाले कई कलाकारों ने अपने करियर में महान ऊंचाइयों को हासिल किया, लेकिन इस परियोजना के समय शांतिनिकेतन के छात्र और सहयोगी ही थे जो अपने श्रद्धेय 'मास्टर मोशाय' नंदलाल बोस के सपने को जीवंत करने के लिए प्रयत्नशील थे।

संविधान में चित्रों की प्रेरणा भारत के विशाल इतिहास, भौतिक परिदृश्य, पौराणिक चित्र और स्वतंत्रता संग्राम में निहित है। भारत के संविधान का भाग 13 'भारतीय क्षेत्र में व्यापार, वाणिज्य और उनके परस्पर संबंधो' से संबंधित है। इस पृष्ठ पर दिया गया चित्रण महाबिलापुरम में स्मारकों के समूह का हिस्सा है जो यूनेस्को द्वारा अंकित विश्व धरोहर स्थल है। 'गंगा का अवतरण' एक बड़ी, खुली हवा में बनी चट्टान की नक्काशी वाली मूर्ति है जो स्वर्ग से धरती पर गंगा नदी के उतरने के कथा को पत्थर में दर्शाती है। नंदलाल बोस के हस्ताक्षर चित्र पर दिखाई देते हैं और जमुना सेन का नाम बॉर्डर के बाएं निचले कोने पर दिखाई देता है।

भाग 3 जो मौलिक अधिकारों से संबंधित है, उसमें रामायण का एक दृश्य दिखाया गया है। इस पृष्ठ के बॉर्डर पर जमुना सेन के हस्ताक्षर हैं। भाग 4 जो राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों से संबंधित है, उसमें महाभारत का एक दृश्य दिखाया गया है। बानी पटेल और नंदलाल बोस के नाम दाईं ओर नीचे दिए गए चित्रण पर दिखाई देते हैं और विनायक शिवराम मसोजी का नाम बॉर्डर के बाएं कोने पर दिखाई देता है।

संविधान का भाग 7 'पहली अनुसूची के भाग बी में शामिल राज्यों' से संबंधित है। इस खंड की शुरुआत में दिए गए चित्रण में सम्राट अशोक द्वारा बौद्ध धर्म के प्रसार को दर्शाया गया है। उन्हें हाथी पर सवार दिखाया गया है, जो सभी तरह के साज-सज्जा से सुसज्जित है और बौद्ध भिक्षुओं से घिरा हुआ है। यह चित्रण अजंता की शैली में है, जिसमें भिक्षुओं को शरीर के ऊपरी हिस्से को बिना वस्त्रों और आभूषणों के साथ दिखाया गया है। यह चित्रण नंदलाल बोस द्वारा किया गया था, जिनका काम अजंता भित्तिचित्रों में पाई जाने वाली कलात्मक परंपराओं से बहुत प्रभावित था। चित्रण के निचले बाएँ भाग पर ए. पेरुमल का नाम भी दिखाई देता है। बॉर्डर डिज़ाइन में ब्योहर राममनोहर सिन्हा के हस्ताक्षर हैं, जिन्होंने प्रस्तावना और कई अन्य पृष्ठों को भी डिज़ाइन किया था। यहाँ उन्होंने हिंदी में राममनोहर के रूप में हस्ताक्षर किए हैं। यह संविधान के उन कुछ पन्नों में से एक है, जिस पर नंदलाल बोस और उनके सबसे वरिष्ठ छात्र ब्योहर राममनोहर सिन्हा दोनों के नाम हैं।

भारत का संविधान इस मायने में अनूठा है कि यह मूल रूप से एक हस्तलिखित दस्तावेज़ था। इसे अंग्रेजी में प्रेम बिहारी रायज़ादा और हिंदी में वसंत के. वैद्य ने सुलेखित किया था। रायज़ादा ने प्रवाहपूर्ण इटैलिक शैली का इस्तेमाल किया और सुलेख की कला अपने दादा से सीखी। संविधान हॉल (जिसे अब कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ़ इंडिया के नाम से जाना जाता है) के एक कमरे में काम करते हुए, उन्होंने छह महीने के दौरान दस्तावेज़ तैयार किया। उन्होंने इसे लिखते समय सैकड़ों पेन निब का इस्तेमाल किया। भारत के संविधान के अंग्रेजी संस्करण के सुलेखक प्रेम बिहारी नारायण रायज़ादा (प्रेम) के हस्ताक्षर दस्तावेज़ के हर पृष्ठ पर दिखाई देते हैं। राष्ट्रीय महत्व की इस परियोजना को शुरू करने के लिए उन्होंने यही एकमात्र अनुरोध किया था।

भारत का संविधान एक मौलिक कला ग्रंथ है जो समय की कसौटी पर खरा उतरा है। भारतीय संविधान में कलात्मकता भारत के बहुस्तरीय इतिहास को दर्शाती है और सामाजिक सांस्कृतिक, पौराणिक, क्षेत्रीय, आध्यात्मिक, भौतिक परिदृश्य तथा अन्य कारकों के प्रति श्रद्धांजलि है जो भारत को एक अद्वितीय और जीवंत अनुभव बनाते हैं।

यह एक ऐसे राष्ट्र की वास्तविकता को दर्शाता है जो अपने प्राचीन अतीत को स्वीकार करता है, विविधता में एकता का उत्सव मनाता है और भविष्य की ओर देखता है।

श्रीकंचनपथ

भिलाई-दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-

• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET

हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं

संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

बीएसपी अंतर विभागीय फुटबॉल टूर्नामेंट का विजेता बना मिल जोन

भिलाई। पंत स्टेडियम सेक्टर-1 में आयोजित भिलाई इस्पात संयंत्र के अंतर विभागीय फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला आयरन जोन और मिल्स जोन के बीच 9 दिसंबर 2024 को खेला गया। इस प्रतियोगिता में मिल्स जोन 4-1 से अंतर विभागीय फुटबॉल टूर्नामेंट का विजेता रहा और चैंपियनशिप खिताब अपने नाम किया। भिलाई में प्रतिभागी टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले हुए, जिसमे कुल 6 टीमों ने भाग लिया था। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए आज हुए फाइनल के इस कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। मुख्य अतिथि श्री पवन कुमार ने विजेता टीम को पुरस्कार वितरित किया। साथ ही खेल जगत के कई प्रमुख हस्तियां पूर्व रेफरी, पूर्व राष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी और बीएसपी फुटबॉल कोच आदि शामिल थे। उनके साथ क्रीडा, संस्कृति और नागरिक सुविधायें विभाग के अधिकारीगण और कर्मचारीगण भी मौजूद रहे। अंतर विभागीय फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन साथ क्रीडा, संस्कृति और नागरिक सुविधायें विभाग के सुप्रियो सेन द्वारा किया गया।

शासन के 1 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चला प्लास्टिक मुक्त भिलाई बनाने का अभियान

भिलाई। राज्य शासन से प्राप्त दिशा.निर्देश अनुसार सरकार गठन के 1 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में दिनांक 09 दिसम्बर से 20 दिसम्बर तक सभी नगरीय निकायों में अलग.अलग गतिविधियां कराए जाने के निर्देश प्राप्त हुए है। जिसके तहत आज नगर पालिक निगम भिलाई में सिंगलयूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने की रैली निकाली गई। रैली सुबह 10.30 बजे पावर हाउस लाल मैदान से होकर सर्कुलर मार्केट होते हुए जलेबी चैंक पर समापन किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, पाषर्दगढ़, व्यपारीगण, चेंबर के सदस्य आदि उपस्थित रहे। सभी लोगों ने प्लास्टिक मुक्त भिलाई बनाने हेतु अभियान छेड़ने का आवाहन किया। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने सभी अधिकारियो को निर्देशित किए है कि भिलाई शहर को साफसुथरा बनाये रखने के लिए सभी वार्डोए गली मोहल्लो में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाये। साथ ही सिंगलयूज प्लास्टिक पर भी प्रतिबंध लगाए। समझाइए दिए जाने के बाद भी जो व्यापारी सिंगल युज प्लास्टिक में समान बेचेंगे, उनके ऊपर चालानी कार्रवाई की जाएगी।

आईआईटी भिलाई में संस्कृति, भाषा और परम्परा केंद्र का शुभारंभ

प्रदेश की कला और संस्कृति को जानेंगे स्टूडेंट्स

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका ने सोमवार को आईआईटी भिलाई में संस्कृति, भाषा और परम्परा केंद्र का शुभारंभ किया। आयोजित समारोह आईआईटी भिलाई की यात्रा में संस्कृति भाषा और परम्परा केंद्र महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। इस केंद्र की स्थापना आदिवासी समुदायों की सांस्कृतिक विरासत और ज्ञान, लुप्तप्राय भाषाओं और सतत विकास पर अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्टता के लिए एक अंत:विषय केंद्र के रूप में की गई है। केंद्र का मिशन छत्तीसगढ़ के आदिवासी समुदायों की भाषाई विविधता, सांस्कृतिक बहुलवाद, पारिस्थितिक ज्ञान और सामूहिक स्मृति को भारत में सामने लाना है।

यह केंद्र छत्तीसगढ़ सरकार के साथ मिलकर एक नोडल ज्ञान केंद्र बनाने के लिए काम कर रहा है। आईआईटी भिलाई में छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत पर एक पुस्तकालय और अत्याधुनिक विस्तारित वास्तविकता संग्रहालय शामिल होगा। इस ज्ञान केंद्र को राज्य के आदिवासी समुदायों के मौखिक इतिहास और सामूहिक सांस्कृतिक यादों के भंडार के रूप में योजनाबद्ध किया गया है।

विकसित भारत का लक्ष्य पूरा करने ऐसे पहल की जरूरत राज्यपाल डेका ने आगे कहा कि उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 के हमारे सामाजिक और राष्ट्रीय लक्ष्य को पूरा करने के लिए इस तरह की पहल समय की मांग है। तेजी से हो रहे वैश्वीकरण के हमारे समकालीन युग में, एक जोखिम यह है कि अपने राष्ट्र के विकास में, हम अपने इतिहास, विरासत और विरासत से संपर्क खो सकते हैं। राज्यपाल ने कहा कि हमारी साझेदारी, सामूहिक एकता, अपने समाज को ऊपर उठाने और इसे दुनिया के सबसे समृद्ध देशों में शामिल करने की इच्छा कभी-कभी हमें यह भूलने पर मजबूर कर देती है कि हम कौन हैं और हम कहाँ से आए हैं। यह याद रखना और खुद को लगातार याद दिलाना महत्वपूर्ण है कि विकास का मतलब एकरूपता नहीं है, इसका मतलब हमारी सांस्कृतिक और जातीय पहचान का नुकसान नहीं है। राज्यपाल ने कहा कि हम भारत के लोग दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक होने के लिए भाग्यशाली हैं। भारतीय दर्शन, कला और वास्तुकला की जड़ें हजारों साल पुरानी हैं, और जाति, पंथ और समुदायों के विचारकों की अनगिनत पीढ़ियों के योगदान के माध्यम से परिष्कृत हुई हैं।

शोध के विभिन्न तरीकों पर काम कर रहा आईआईटी

राज्यपाल ने कहा कि आईआईटी हमारे भारतीय ज्ञान प्रणालियों की इस विरासत को पुन: प्राप्त करने के लिए शोध के विभिन्न तरीकों पर काम कर रहा है। हमारी खोई हुई ऐतिहासिक विरासत का दस्तावेजीकरण और उसकी गरिमा को बहाल कर रहा है और बिगड़े हुए पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल करने में पारंपरिक कृषि तकनीकों के लाभों को सामने ला रहा है। यह ग्रामीण महिलाओं को डिजिटल तकनीकों के साथ लचीली आजीविका हासिल करने में सक्षम बना रहा है। आज लॉन्च की गई रिपोर्ट हमारे राज्य की विरासत और इतिहास तथा आदिवासी समुदायों के गहन पारिस्थितिकी और कृषि ज्ञान को उजागर करती है।

अनुसंधान केंद्र की स्थापना के लिए दी बधाई

राज्यपाल ने आईआईटी भिलाई के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को अनुसंधान केंद्र की स्थापना के लिए बधाई दी। इस अवसर पर राज्यपाल श्री डेका ने अपने कर-कमलों से हेरिटेज एप्रीसिएशन ऑफबारसुर- पर्सपेक्टिव्स ऑन हिस्ट्री, आर्किटेक्चर एण्ड ट्यूरिस्म और ऑगमेंटिग लाइवलीहुड्स थ्रू जीआई- ए केस स्टडी ऑन छत्तीसगढ़ रिपोर्ट लॉन्च किया। राज्यपाल डेका ने समारोह स्थल पर लगाए गए छत्तीसगढ़ जनजातीय हैन्डीक्राफ्ट्स स्टॉल का भी अवलोकन किया।

समारोह में सीसीएलटी (संस्कृति, भाषा और परम्परा) केन्द के संयोजक डॉ. अनुभव प्रधान ने स्वागत भाषण दिया। आईआईटी भिलाई के डायरेक्टर प्रो. राजीव प्रकाश ने आईआईटी की गतिविधियों पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, संभाग आयुक्त एसएन राठौर, कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी, पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला, आईआईटी भिलाई के डायरेक्टर, प्रोफेसर्स एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

भिलाई में 154 आवासों की निकाली गई लॉटरी, विधायक रिकेश से ने कहा-

शासन का प्रयास सबको मिले मकान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र हितग्राहियों को लॉटरी निकाल कर मकान आबंटन किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना मोर मकान-मोर आस एवं मोर मकान-मोर चिन्हारी के अंतर्गत 154 आवासों का आबंटन नगर निगम भिलाई के मुख्य कार्यालय परिसर में खुली लाटरी पद्वति से किया गया। आबंटन के दौरान वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, महापौर नीरज पाल एवं निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय स्वयं उपस्थित रहे। इस मौके पर विधायक रिकेश ने कहा कि शासन का प्रयास है कि सभी को आवास मिले। निगम क्षेत्र में सूर्या विहार के 49 मकान, एनार स्टेट के 75 मकान, कृष्णा इंजिनियरिंग के 22 मकान, मॉडल के 7 मकान एवं रजत बिल्डर्स के 1 मकान का आबंटन किया गया। मोर आस के 139 मकानों में से 4 भूतल एवं 135 सामान्य वर्ग को दिया गया। इसी प्रकार मोर चिन्हारी के 15 मकानो में से 1 भूतल एवं 14 सामान्य वर्ग को दिया गया। आवास आबंटन में 1 विकलांग एवं 4 वरिष्ठ हितग्राही को ग्राउंड फ्लोर का आवास आबंटन किया गया। कुल 154 मकानों में जो हितग्राही लाटरी में अनुपस्थित थे, उनके स्थान पर अन्य हितग्राही जो पहले से मकान के लिए आवेदन किये थे। लाटरी समिति के निर्णय एवं सक्षम अधिकारी की स्वीकृति पश्चात अनुपस्थित हितग्राही के आवासो को को अन्य उपस्थित आवेदकों से लॉटरी निकलवा कर आवास आबंटन किया गया।

विधायक रिकेश सेन ने सभी हितग्राहियो को बताया कि शासन का प्रयास है मकान सबको मिले, जितना मकान बन रहा है, उसी में से पारदर्शिता के साथ लाटरी हितग्राहियो की उपस्थिति में निकाली जाती है। पुरी प्रक्रिया की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी की जाती है। जिसमे नियमानुसार 10 प्रतिशत अंशदान की राशि जमा करने वाले हितग्राही भागीदार बनते है। आबंटन के दौरान एमआईसी सदस्य चंद्रशेखर गवई, आवास योजना के नोडल अधिकारी डीके वर्मा, कार्यपालन अभियंता विनिता वर्मा, अभियंता दीपक देवांगन, प्रभारी अधिकारी विद्याधर देवांगन आदि उपस्थित रहे।

बीएसपी के बार एवं रॉड मिल ने बनाया नया दैनिक रिकॉर्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की उच्च स्तरीय स्वचालन एवं नियंत्रण प्रणाली से युक्त मोडेक्स इकाई बार एवं रॉड मिल ने एक बार फिर उत्पादन में अब तक का श्रेष्ठ दैनिक रिकॉर्ड बनाते हुए एक मील का पत्थर हासिल किया है। टीएमटी बार बनाने वाली मिल ने 20 मिमी टीएमटी बार के चुनौतीपूर्ण प्रोफाइल में 08 दिसंबर 2024 को 4,128 टन (2,005 बिलेट) का उत्पादन करके नया 'दैनिक रिकॉर्ड' बनाया है, जो 12 सितंबर 2024 को बनाये गए 4,120 टन (2,002 बिलेट) के पिछले श्रेष्ठ को पार कर गया है। टीम बीआरएम के सामूहिक प्रयासों से पहली बार एक दिन में 2,005 बिलेट उत्पादन का यह अत्यंत चुनौतीपूर्ण लक्ष्य प्राप्त किया गया। निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता के साथ कार्यपालक निदेशक प्रभारी (वर्क्स) अंजनी कुमार तथा संयंत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण कार्यशाला में पहुंचे तथा बीआरएम की टीम को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। साथ ही उन्हें आगे भी इसी भावना के साथ कार्य करते हुए इस वर्ष के सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने तथा ऐसे अनेक कीर्तिमान स्थापित करने के लिए प्रेरित किया।

इस उपलब्धि पर समस्त मिल परिवार को बधाई देते हुए बीआरएम के कार्यकारी विभागाध्यक्ष आशीष ने कहा, कि मिल के कर्मियों की निरंतर निगरानी एवं कड़ी मेहनत तथा संबंधित विभागों के पूर्ण सहयोग से उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि संभव हो पाई है।

इस अवसर पर बीआरएम विभाग के महाप्रबंधक शाश्वत मोहंती एवं शिखर तिवारी के अलावा उप महाप्रबंधक जयंत दीवान, तुषार श्रीखंडे के साथ सहायक महाप्रबंधक एवं डीएसओ शकील अहमद तथा बीआरएम के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कार्मिक भी उपस्थित थे।

सेल-बीएसपी के रिफ्रैक्टरी इंजीनियरिंग विभाग में ई-वेस्ट प्रबंधन पर सत्र आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के पर्यावरण प्रबंधन विभाग के सहयोग से रिफ्रैक्टरी इंजीनियरिंग विभाग (आरईडी) द्वारा 07 दिसंबर 2024 को आरईडी कॉन्फ्रेंस हॉल में ई-वेस्ट प्रबंधन पर एक सत्र आयोजित किया गया। ई-वेस्ट प्रबंधन सत्र में आरईडी के सभी अनुभागों के अधिकारियों और कर्मियों के साथ-साथ संविदा श्रमिकों सहित विभागीय कर्मचारियों ने भाग लिया। यह आयोजन आरईडी में चल रहे पर्यावरण जागरूकता माह के अंतर्गत विभागाध्यक्ष और मुख्य महाप्रबंधक (आरईडी) श्री प्रोसेनजीत दास के मार्गदर्शन में किया गया था।

सत्र के दौरान, ई-वेस्ट प्रबंधन के लिए बीएसपी के दिशानिर्देश और प्रक्रियाओं के साथ-साथ ई-कचरा (प्रबंधन) नियम, 2022 के अनुसरण में भारत सरकार द्वारा परिभाषित भूमिका और जिम्मेदारियों को विस्तार से समझाया गया। इस अवसर पर सरकार द्वारा 2023-24 से 2028-29 तक निर्धारित ई-वेस्ट पुनर्चक्रण लक्ष्य पर आधारित योजनाओं की भी जानकारी साझा की गई। इस सत्र के दौरान क्या करें और क्या न करें तथा इलेक्ट्रॉनिक और विद्युत सामग्री के स्मार्ट रखरखाव के माध्यम से ई-वेस्ट के उपभोग और क्रमिक उत्पादन को कम करके विवेकपूर्ण ई-वेस्ट प्रबंधन में योगदान करने के तरीकों पर चर्चा की गई। प्रारंभ में, 19 नवंबर 2024 से 18 दिसंबर 2024 तक सेल-बीएसपी में आरईडी पर्यावरण जागरूकता माह के तहत आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों की संक्षिप्त जानकारी साझा की गई। उल्लेखनीय है कि चैथे ग्लोबल ई-वेस्ट मॉनिटर (जीईएम) पर संयुक्त राष्ट्र संगठन के पूर्वानुमान के अनुसार, ई-वेस्ट के प्रलेखित संग्रह (डोक्यूमेंटेड कलेक्शन) और पुनर्चक्रण दर (रिसायकलिंग रेट) में 2022 में 22.3 प्रतिशत से 20 प्रतिशत तक की वैश्विक गिरावट हो सकती है।

भिलाई इस्पात संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस में निकाली गई पर्यावरण जागरूकता रैली

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस के यातायात अनुभाग द्वारा 5 दिसंबर 2024 को पर्यावरण जागरूकता रैली निकली गई। इस अवसर पर महाप्रबंधक प्रभारी (टी एंड डी) गोपीनाथ मलिक विशेष रूप से उपस्थित रहे। सर्वप्रथम अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया, तत्पश्चात पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी को शपथ दिलाई गई। 18 दिसम्बर तक चलने वाली इस जागरूकता अभियान के अंतर्गत इस रैली को विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं महाप्रबंधक प्रभारी (पर्यावरण प्रबंधन) उमा कटोच, महाप्रबंधक (पर्यावरण प्रबंधन) संजय कुमार एवं सहायक महाप्रबंधक (पर्यावरण प्रबंधन) अनुराधा द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रैली में विभाग के सभी अधिकारीगण, कर्मचारीगण व ठेका श्रमिक शामिल थे।

रैली के पश्चात अतिथियों द्वारा पर्यावरण जागरूकता एवं कर्तव्यनिष्ठा के लिए लोगों को प्रेरणा एवं अपनी शुभकामनाएं दी गई। इस अवसर पर यातायात विभाग के वरिष्ठ अधिकारी महाप्रबंधक प्रभारी (टी एंड डी) श्री गोपीनाथ मलिक, महाप्रबंधक प्रभारी (पर्यावरण प्रबंधन) सुश्री उमा कटोच, महाप्रबंधक (पर्यावरण प्रबंधन) संजय कुमार, महाप्रबंधक (टी एंड डी) रिनोज कुमार सिंह, उप महाप्रबंधक (टी एंड डी) बुद्धदेव टुडू, महाप्रबंधक (टी एंड डी) जॉन मिंज एवं सहायक महाप्रबंधक अनुराधा ने अपने प्रेरणादायक विचार प्रस्तुत किये। साथ ही पर्यावरण जागृति कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी को बधाई दी। कार्यक्रम में अतिथियों एवं साथियों को उनकी गरिमामय उपस्थिति के लिए यातायात ब्लास्ट फर्नेस स्टेशन इंचार्ज श्री योगेश सिंह ठाकुर ने धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन स्थायीपथ अनुभाग कनिष्ठ प्रबंधक बी आर रावते ने किया।

राष्ट्रीय स्तर की भरतनाट्यम स्पर्धा में महापौर धीरज बाकलीवाल हुए शामिल

दुर्ग। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित तीन दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम कौशिकी 2024 अपनी भव्यता और विशिष्टता के लिए चर्चा का केंद्र बना। इस कार्यक्रम का आयोजन भरतनाट्यम नृत्य शिरोमणी खुशी जैन और कत्थक सिंगरमणि डॉ. चंदन सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग के महापौर धीरज बाकलीवाल और डीएसपी ट्रैफिक गुरजीत सिंह उपस्थित थे।खुशी जैन: नृत्य साधना का 25 वर्ष का सफर भरतनाट्यम की ख्यात कलाकार खुशी जैन पिछले 25 वर्षों से नृत्य की साधना कर रही हैं और 12 वर्षों से प्रशिक्षण दे रही हैं।

सुगम ऐप : जमीन रजिस्ट्री में पारदर्शिता की नई पहचान

पक्षकारों ने कहा सुगम ऐप से पारदर्शिता और विश्वसनीयता में हुआ है इजाफा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के पहल पर प्रदेश में तकनीकी नवाचारों के निरंतर प्रयास से नागरिकों की सुविधा को प्राथमिकता दी जा रही है। इसी कड़ी में वित्त एवं पंजीयन मंत्री ओ.पी.चौधरी के निर्देश में रजिस्ट्री प्रक्रिया को पारदर्शी और जनता के लिए अधिक सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से 'सुगम ऐप' का शुभारंभ किया गया है। सुगम मोबाइल ऐप के माध्यम से छत्तीसगढ़ के सभी पंजीयन कार्यालयों में पंजीयन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाया जा रहा है।

रायगढ़ निवासी विवेकानंद मिश्रा सुगम एप को जमीन रजिस्ट्री की दिशा में समय की मांग के अनुसार उठाया गया सबसे जरूरी कदम मानते हैं। उनका कहना है कि इससे जमीन रजिस्ट्री की प्रक्रिया पारदर्शी हो गई है। इससे जमीन संबंधित विवाद और मुकदमेबाजी की संभावनाएं काफी कम हो जाती है।

क्रेता और विक्रेता दोनों के लिहाज से यह अत्यंत सुविधाजनक है व उनके बीच विश्वसनीयता को भी बढ़ाता है। वहीं दीपेश अग्रवाल का कहना है कि सुगम एप की सबसे खास बात है कि पक्षकार जमीन पर जाकर उसका फोटो अक्षांश देशांश अपलोड कर सकते हैं। यह रजिस्ट्री मॉड्यूल में अपलोड हो जाता है। जिससे प्रक्रिया तेज और पारदर्शी हुई है। खरीददार को अपनी जमीन की वास्तविक स्थिति पता होती है जो रिकॉर्ड में दर्ज होती। शासन को भी वास्तविक राजस्व की प्राप्ति होती है। सुगम ऐप संपत्ति संबंधी धोखाधड़ी रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कई बार ऐसी शिकायतें आती है कि रजिस्ट्री दस्तावेज में दिया गया सम्पत्ति विवरण तथा मौके की स्थिति में अंतर होता है। एक सम्पत्ति कई लोगों को बेचने की शिकायतें आती है। जिस जमीन का रजिस्ट्री किया जाता है, वह जमीन वास्तव में अस्तित्व में नही होती। ऐसी घटनाएं भी प्रकाश में आती रहती है कि रोड, रास्ता, उद्यान आदि की जमीन बेच दिया गया है। मौके में जितनी जमीन उपलब्ध है, उससे अधिक रकबा बेच दिये जाने की घटनाएं भी होती रहती है। ऐसी घटनाओं से आपसी लड़ाई-झगड़े तथा कोर्ट-कचहरी के मुकदमेबाजी में वृद्धि होती है। सुगम एप का उद्देश्य रजिस्ट्रीशुदा सम्पत्ति का पहचान, सम्पत्ति के धोखाधड़ी के घटनाओं को रोकना है। इससे ऐसी घटनाओं के पता चलने के बाद पक्षकार रजिस्ट्री के बाद होने वाले परेशानियों से मुक्त हो सकेंगे।

ऐसे काम करता है सुगम ऐप

सुगम ऐप में पक्षकार को रजिस्ट्री के प्रक्रिया के दौरान अपना मोबाईल लेकर उस जगह में जाना होगा, जिस स्थान की रजिस्ट्री किया जा रहा है। उस स्थान में जाकर सुगम ऐप खोलकर ऐप में निर्देशित तीन कोणों अर्थात सम्पत्ति के सामने, दाएं और बाएं से उस स्थान का फोटो लेना होगा। वह फोटो स्वत: ही रजिस्ट्रार के माड्यूल में ट्रांसफर हो जाएगा। उस स्थान की भौगोलिक स्थिति अर्थात अक्षांश व देशांतर की स्थिति रजिस्ट्री पेपर में फोटो के साथ दर्ज हो जाएगी। इस प्रकार संपत्ति की वास्तविक भौगोलिक स्थिति का निर्देशांक रजिस्ट्री पेपर में स्थायी रूप से अंकित रहेगा, जिससे पक्षकार कभी भी उस स्थान पर जाकर संपत्ति की पहचान कर सकता है।

राजस्व के सही आंकलन में आसानी

सुगम ऐप के माध्यम से सरकार को राजस्व नुकसान पहुँचाने की घटनाओं को भी नियंत्रित किया जा सकेगा। सुगम ऐप से संपत्ति में क्या वास्तविक संरचना बना हुआ, यह ज्ञात हो सकेगा, जिससे भवन, रोड, फैक्ट्री आदि संरचनाओं को छुपाया नहीं जा सकेगा तथा इसके कारण सरकार को होने वाले राजस्व अपवंचन को रोका जा सकेगा।

खास खबर...

ग्राम बहेराभांठा में किया गया कृषक खेत पाठशाला का शुभारंभ

बालोद। कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल के मार्गदर्शन में जिले के डौण्डीलोहारा के ग्राम बहेराभांठा में कृषक खेत पाठशाला का शुभारंभ किया गया। कृषक खेत पाठशाला का उद्देश्य कृषकों को सीधे फसल उत्पादन एवं फसल सुरक्षा की उन्नत विधियों तकनीक का कौशल प्रशिक्षण एवं अभ्यास के माध्यम से अवगत कराना है। जिससे कृषक फसल उत्पादन एवं सुरक्षा की उन्नत तकनीक अपना सके। उप संचालक कृषि श्री जी.एस. धुर्वे ने बताया कि पाठशाला में चना फसल की उन्नत व तकनीकी खेती सिखाने हेतु फ्रन्टलाईन डेमोस्ट्रेशन लगाकर फसल की क्रांतिक अवस्थाओं में 06 दिवसीय कृषक प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि भूमि के जल स्तर बहुत नीचे जाने के कारण ग्रीष्मकालीन धान के बदले कम पानी लगने वाले फसलों जैसे चना, गेहूँ, तिवड़ा, सरसों, मूंग, उड़द आदि फसल लगाने हेतु कृषकों को प्रोत्साहित किया। इस दौरान फील्ड में चना फसल में बीजोपचार का प्रत्यक्ष प्रदर्शन किया गया। जिसमें चना बीज को ट्राईकोडर्मा एवं नैनो डी.ए.पी. से बीजोपचार किया गया। साथ ही फील्ड में सीड कम फर्टिलाईजर ड्रील मशीन से बीज बुआई करके कृषकों को प्रत्यक्ष प्रदर्शनी भी दिखाया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य चन्द्रप्रभा सुधाकर, सहायक संचालक कृषि सूर्यनारायण ताम्रकार सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी के अलावा ग्राम पंचायत बहेराभाठा के सरपंच, उप सरपंच एवं कृषकगण उपस्थित थे।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सिवनी से कलेक्ट्रेट मार्ग के उन्नयन कार्य का किया लोकार्पण

बालोद। उपमुख्यमंत्री, गृह एवं जेल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा बालोद जिले के प्रभारी मंत्री विजय शर्मा आज बालोद जिले के दौरे पर पहुँचे। प्रभारी मंत्री शर्मा ने जिला मुख्यालय बालोद के सर्किट हाउस आगमन पर जिले के ग्राम सिवनी से कलेक्ट्रेट मार्ग के चैड़ीकरण एवं डामरीकरण कार्य का लोकार्पण कर अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उल्लेखनीय है कि 04 करोड़ 91 लाख रुपए लागत के नवनिर्मित ग्राम सिवनी से कलेक्ट्रेट मार्ग के बनने से अब आमजनों को कलेक्टोरेट आवागमन में काफी सुविधा हुई है। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री शर्मा ने सर्किट हाउस के सभाकक्ष में जिले के आला अधिकारियों की बैठक लेकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की तथा उन्होंने आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

तीन दिव्यांगों को मिला श्रवण यंत्र

कांकेर। जिले के तीन दिव्यांगजनों को आज समाज कल्याण कार्यालय परिसर में श्रवण यंत्र प्रदाय किया गया। समाज कल्याण विभाग के उप संचालक ने बताया कि कांकेर विकाससखण्ड के ग्राम कोकपुर निवासी 65 वर्षीय भागबली साहू और उनके बड़े भाई 67 वर्षीय रामप्रसाद साहू जो दोनों श्रवण बाधित हैं, उन्हें कान की मशीन प्रदान की गई। इसी तरह कांकेर श्रीरामनगर निवासी 74 वर्षीय हजारा बेगम को भी श्रवण यंत्र प्रदाय की गई। सहायक उपकरण पाकर सभी दिव्यांगजन अत्यंत अभिभूत हुए और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किए।

युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने में सहायक होगा मशरूम उत्पादन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। धान के भूसे का उपयोग करके मशरूम के बैग तैयार किए। मशरूम उत्पादन के लिए सबसे पहले बैग भरने से एक दिन पहले ओएस्टर मशरूम के बीजों को गर्म पानी और फार्मलिन प्लस बाविस्टीन से निर्जलीकरण किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ओएस्टर मशरूम का जीवन चक्र लगभग 25 से 30 दिन का होता है और इसका आदर्श तापमान 23 से 25 डिग्री सेंटीग्रेड होता है। धान का भूसा 4 रुपए प्रति किलो की दर पर मिलता है और प्रत्येक बैग में लगभग 50 ग्राम मशरूम बीज डाला जाता है। इस तरह से प्रति बैग की लागत 20 रुपये से भी कम आता है। एक बैग से लगभग डेढ़ से दो किलो मशरूम प्राप्त होते हैं।

पेंड्रा क्षेत्र का वर्तमान तापमान ओएस्टर मशरूम उत्पादन के लिए बेहद अनुकूल है। इसे ध्यान में रखते हुए महंत बिसाहू दास उद्यानिकी महाविद्यालय जीपीएम के प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं ने मशरूम उत्पादन के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय प्रयास किया है। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नारायण साहू के मार्गदर्शन और विषय अध्यापिका डॉ. चेतना जांगड़े के सहयोग से मशरूम उत्पादन का सफल प्रयोग किया गया। सर्वप्रथम छात्रों ने ओएस्टर मशरूम (मशरूम का एक प्रमुख प्रकार) की खेती की, जिसमें सफेद और गुलाबी आयस्टर मशरूम की किस्मों का चयन किया गया। मशरूम उत्पादन आर्थिक रूप से लाभकारी व्यवसाय साबित हो सकता है। यह पहल न केवल छात्रों को कृषि विज्ञान में व्यावहारिक अनुभव प्रदान कराती है, बल्कि उनके लिए आर्थिक रूप से लाभकारी और पर्यावरणीय दृष्टि से भी अनुकूल है। महाविद्यालय की यह पहल आने वाले समय में युवाओं को मशरूम उत्पादन के लिए स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होगा।

इस प्रयास में महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक डॉ. सोनल तिवारी सहायक प्राध्यापक आनुवांशिकी और पादप प्रजनन, डॉ. शुभम ठाकुर कृषि अर्थशास्त्र, डॉ. मुकेश पटेल किट विज्ञान, सुश्री गरिमा कोर्राम मृदा विज्ञान और डॉ. लक्ष्मी प्रसाद भरद्वाज सब्जी विज्ञान का भी सहयोग रहा है।

बाल विवाह मुक्त भारत : अधिकारियों ने लिया प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। कलेक्टर गोपाल वर्मा के निर्देशन और जिला कार्यक्रम अधिकारी आनंद तिवारी के मार्गदर्शन में, जिला बाल संरक्षण अधिकारी सत्यनारायण राठौर के नेतृत्व में महिला एवं बाल विकास विभाग के मिशन वात्सल्य के तहत कवर्धा में बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारियों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला में जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास आनंद तिवारी ने बाल विवाह की समस्या पर विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री द्वारा 10 मार्च 2024 को बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिले में लगातार जनजागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अधिनियम के अनुसार, ऐसा विवाह जिसमें वर की आयु 21 वर्ष से कम और वधू की आयु 18 वर्ष से कम हो, उसे बाल विवाह माना जाता है। कार्यशाला के दौरान श्री राठौर ने बाल विवाह को एक गंभीर सामाजिक कुप्रथा बताते हुए इसके सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक कारणों पर चर्चा की। सभी को मिलकर सकारात्मक वातावरण तैयार करना होगा।

कलेक्टर सिंह ने ली पशु कल्याण समिति की बैठक

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में पशु कल्याण समिति की बैठक ली। इस बैठक में भेड़ एवं बकरी, पशुपालकों का विशेष ध्यान रखते हुए किसी भी प्रकार की सर्जरी को नि:शुल्क करने का निर्णय लिया गया। साथ ही पशुओं के प्रबंध संरक्षण एवं संवर्धन के लिए चिकित्सकीय एवं अन्य उपकरण खरीदने 14 लाख की स्वीकृति दी गई। इसी प्रकार बैठक में 50 हजार पशुओं के प्रबंध आकस्मिक प्रबंधन के आरक्षित रखा गया। उल्लेखनीय है कि जिले में 92 पशु चिकित्सा संस्थाएं संचालित है। जहां पशुओं का इलाज किया जाता है। पशुओं के माइनर सर्जरी एवं आर्थोपेडिक सर्जरी में बीपीएल कार्डधारियों के लिए नि:शुल्क इलाज किया जाएगा। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप, डीएफओ लोकनाथ पटेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर एवं पशु चिकित्सा सेवाएं संयुक्त संचालक शंकर लाल उईके समेत अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

स्वागतम पोर्टल: बिना लंबी प्रक्रिया के आगंतुकों को सुगम प्रवेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मंत्रालय आने वाले आगंतुकों के लिए प्रक्रिया को सरल और सुविधाजनक बनाने स्वागतम पोर्टल का शुभारंभ किया गया है। रायपुर के नितिन वाले अपने निजी कार्य से सचिव से मिलने महानदी भवन मंत्रालय आए थे ।श्री वाले ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि स्वागतम पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण, यात्रा का उद्देश्य, व्यक्तिगत जानकारी और मिलने का समय दर्ज करने पर उन्हें तुरंत पुष्टिकरण संदेश और प्रवेश पत्र प्राप्त हो गया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आमजनता के मंत्रालय प्रवेश के लिए स्वागतम पोर्टल का शुभारंभ कर सुविधा प्रदान किए है। स्वागतम पोर्टल के माध्यम से आमजनता का मंत्रालय के अधिकारियों से मिलना आसान हो गया है। श्री नितिन ने बताया कि प्रवेश द्वार पर उनकी पहचान सत्यापित होने के बाद उन्हें सुगमता से मंत्रालय में प्रवेश मिल गया। उन्होंने इस पोर्टल की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

श्री वाले ने कहा कि स्वागतम पोर्टल न केवल समय की बचत करता है, बल्कि आगंतुकों से संबंधित विवरणों के संधारण से सुरक्षा तंत्र को भी मजबूत बनाता है। पोर्टल पर आगंतुकों के विवरण पहले से दर्ज होने के कारण प्रशासन का काम भी सरल हुआ है और आम नागरिकों के लिए सरकार से जुड़ने का रास्ता सुगम हुआ है। स्वागतम पोर्टल शासन की पारदर्शिता और तकनीकी सुगमता का प्रतीक बनकर शासन और जनता के बीच दूरी को कम करने में सहायक सिद्ध हो रहा है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ में ई-गवर्नेंस को बढ़ावा देने और शासकीय काम-काज में पारदर्शिता लाने के लिए तीन पोर्टलों ई-ऑफिस प्रणाली, मुख्यमंत्री कार्यालय ऑनलाइन पोर्टल और स्वागतम पोर्टल का शुभारंभ किया है। इस पहल से सुशासन के साथ शासकीय कामकाज में दक्षता और पारदर्शिता बढ़ेगी।

दाने-दाने के लिए करना पड़ता है मेहनत, खाते में आती है राशि तो मिलती है खुशी

किसान गुलाब सिंह ने कृषक उन्नति योजना को बताया आर्थिक उन्नति का माध्यम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सिंचाई के साधनों से जूझने वाले हम किसानों के लिए तो आसमान और सरकार ही भगवान है। बारिश अच्छी हुई तो फसल भी अच्छा होता है और अच्छी फसल होने और सरकार द्वारा अच्छी कीमत तय करने पर ही हमें अपनी मेहनत का पूरा मोल मिल पाता है। हमें खेत में उतरकर परिश्रम करना पड़ता है। पसीने बहाने पड़ते हैं, तब जाकर फसल ले पाते हैं और दाने-दाने को अलग कर इन फसलों को बेच पाते हैं। हमारी खुशी तब दुगनी होती है जब हमारी उम्मीदें पूरी होती हैं। छत्तीसगढ़ की विष्णु देव की सरकार ने हम किसानों के मेहनत के पसीने की कीमत को समझकर धान के समर्थन मूल्य पर खरीदने की अच्छी व्यवस्था की है, जिससे हम किसान खुश है।

यह उम्मीदें तब से बनती रहती है जब से किसान खेत में हल चलाता है और उनके ऊपर जो कर्ज है, उससे मुक्त होने के लिए उम्मीदें लगाए रहता है, फसल बेचकर घर का कुछ नया सामान लाने का सपना संजोएं रहता है। यह उम्मीद, यह सपना फसल अच्छा पैदा होने और उसे सुरक्षित बेच पाने के बाद जब खाते में राशि आती है तभी खुशी के रूप में पूरी होती है...यह कहना है लगभग सत्तर साल के किसान गुलाब सिंह का। खेत से धान की फसल को लाकर मिंजाई में व्यस्त गुलाब सिंह ने बताया कि किसानों को आसमान और सरकार से ही उम्मीद रखनी पड़ती है, इस बार भी दोनों से उम्मीद पूरी हो रही है, यह बहुत खुशी की बात है।

गुलाब सिंह ने बताया कि उन्हें मालूम है कि पिछले साल भी जब उन्होंने अपनी खेत में लगी धान को बेचा था तब समर्थन मूल्य की राशि के अलावा जो अंतर की राशि थी वह एकमुश्त खाते में आ गई थी। उन्हें प्रति क्विंटल 31 सौ रूपये की दर से धान का लाभ मिला था। इसके अलावा दो साल का बकाया बोनस की राशि भी उन्हें मिली थी। गुलाब सिंह खुश है कि इस बार भी उन्हें अपनी मेहनत का पूरा लाभ मिलेगा और जो उम्मीदें हैं वह पूरी होंगी।

कोरबा विकासखंड अंतर्गत सुदूरवर्ती ग्राम ठाड़पखना के किसान गुलाब सिंह ने बताया कि उनके पास लगभग 6-7 एकड़ की जमीन है, जिस पर धान की फसल लेता है। अभी धान की मिंजाई में व्यस्त किसान गुलाब सिंह ने बताया कि विगत वर्ष भी बारिश ठीक-ठाक हुई थी। इस साल भी बारिश ने दगा नहीं दिया और उन्हें उम्मीद के मुताबिक फसल मिली है। बुजुर्ग किसान गुलाब सिंह ने बताया कि उनके क्षेत्र में सिंचाई का साधन नहीं है। पहाड़ी क्षेत्र होने की वजह से आसमान पर ही सबको निर्भर रहना पड़ता है। इस वर्ष बारिश अच्छी हुई है और फसल भी ठीक-ठाक हो गया है, इसलिए परेशानी नहीं है। उन्होंने बताया कि पहले लेमरू में उन्होंने अपना धान बेचा था, धान बेचने की गई व्यवस्था पहले की अपेक्षा बहुत बदल गई है और सुविधाजनक हो गई है। पहले धान बेचने में बहुत परेशानी उठानी पड़ती थी।

उन्होंने बताया कि धान का समर्थन मूल्य मिलने के साथ ही छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा अतिरिक्त राशि दी जाती है। यह राशि हम किसानों के लिए बहुत काम आती है। हमें खुशी है कि हम किसानों को एक क्विंटल धान की कीमत 31 सौ रूपए मिलती है, जो कि अन्य दूसरे राज्यों की अपेक्षा सर्वाधिक कीमत है। किसान गुलाब सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय किसान परिवार से है, इसलिए किसानों की समस्याओं को समझते हैं। उन्होंने कहा कि कृषक उन्नति की दिशा में उठाए गए कदम से किसानों को राहत मिल रही है और किसान भी खुश है। गुलाब सिंह ने बताया कि जल्दी ही मिंजाई का काम पूरा होने के बाद वे अपनी धान उपार्जन केंद्र में बेचेंगे, उन्होंने अपना पंजीयन भी कराया है।

हर महिला के पास होनी चाहिए

विंटर जैकेट

सर्दियों में जैकेट न सिर्फ गर्माहट का अहसास करवाती है, बल्कि एक स्टाइलिश और एजी लुक भी देती है। यही कारण है कि आजकल बाजार में कई तरह की विंटर जैकेट मौजूद हैं, लेकिन कई महिलाएं इस कशमकश में रहती हैं कि उनमें से किसे अपनी अलमारी का हिस्सा बनाना चाहिए। आइए आज हम आपको पांच ट्रेंडी विंटर जैकेट और उनसे जुड़ी फैशन टिप्स बताते हैं, जिनकी मदद से आप अच्छी विंटर जैकेट का चुनाव कर सकते हैं।

क्रॉप टेलर्ड जैकेट

इस जैकेट को महिलाएं कैजुअल ब्रंच और मूवी नाइट से लेकर फॉर्मल पार्टी और डेट नाइट तक किसी भी अवसर पर पहन सकती हैं। यह आपको कूल और चिक वाइब दे सकती है। आप एक न्यूड रंग की क्रॉप टेलर्ड जैकेट को अपने स्टाइल का हिस्सा बना सकते हैं और इसे क्रॉप टॉप समेत क्रीम रंग के हाई-राइज पैंट के साथ पहन सकते हैं। इससे आपको सर्दी से बचाव के साथ बेहतरीन लुक भी मिलेगा।

लॉन्ग चेकर्ड जैकेट

चेकर्ड पैटर्न एक बार फिर से ट्रेंड में होने के कारण लॉन्ग चेकर्ड जैकेट भी महिलाओं के पास जरूर होनी चाहिए। लॉन्ग चेकर्ड जैकेट को आप फॉर्मल मीटिंग, डिनर और यहां तक कि कैजुअल हैंगआउट के अवसर के दौरान भी पहन सकती हैं। हल्के भूरे या हल्के हरे रंग के चेकर्ड पैटर्न वाली लॉन्ग जैकेट को चुनना बेहतर है, जिसे आप टॉप-पैंट या मिनी ड्रेस के साथ पहन सकती हैं।

बॉम्बर जैकेट

अगर आप स्ट्रीट-स्टाइल और ट्रेंडी लुक में रहना ज्यादा पसंद करती हैं तो एक अच्छी गुणवत्ता वाली बॉम्बर जैकेट में निवेश करें। आप ऑलिव ग्रीन, डार्क ब्लू या मैरून जैसे रंगों में क्रॉप बॉम्बर जैकेट को चुन सकती हैं और इसे एक प्लेन व्हाइट टी-शर्ट, डेनिम जींस और बूट्स या स्नीकर्स के साथ पहन सकती हैं। आप इस जैकेट को बैगी या कार्गो पैंट्स के साथ भी आजमा सकती हैं।

डेनिम जैकेट

सबसे क्लासिक विंटर आउटफिट में से एक, डेनिम जैकेट हर महिला की अलमारी में जरूर होनी चाहिए। यह एक फ्रेश और लाइट कैजुअल लुक देती है और यह रोजाना पहनने के लिए बढ़िया है। आप डेनिम-ऑन-डेनिम लुक के लिए जा सकती हैं। इसके लिए आप डेनिम जैकेट को डेनिम स्कर्ट या जींस और एक ओवरसाइज्ड टी-शर्ट के साथ पहन सकती हैं। आप चाहें तो इसे क्रॉप टॉप और ब्लैक पेंसिल जींस के साथ भी स्टाइल कर सकती हैं।

डबल ब्रेस्टेड जैकेट

डबल ब्रेस्टेड जैकेट फॉर्मल लुक के लिए एकदम बेहतरीन है। आप मिक्स टेक्सचर, बोल्ड रंग और प्लेफुल पैटर्न में डबल ब्रेस्टेड जैकेट को खुद के लिए चुन सकती हैं। गोल्डन बटन वाली हरे रंग की डबल ब्रेस्टेड जैकेट से आपको ग्लैम लुक मिलेगा। आप इस तरह की डबल ब्रेस्टेड जैकेट को न्यूट्रल रंग के टर्टल नेक ड्रेस, नी-हाई बूट्स और गोल्ड ज्वेलरी के साथ पहन सकती हैं।

फेस सीरम बनाम फेस मॉइस्चराइजर

स्किन केयर रूटीन का सबसे जरूरी स्टेप त्वचा को मॉइस्चराइज करना है। हालांकि, आजकल मार्केट में कई तरह मॉइस्चराइजिंग स्किन केयर प्रोडक्ट्स उपलब्ध हैं और इनमें सबसे पहले फेस सीरम के साथ फेस मॉइस्चराइजर का नाम आता है। ये दोनों ही प्रोडक्ट्स त्वचा को मॉइस्चराइज कर सकते हैं, लेकिन इनमें काफी अंतर है। आइए आज जानते हैं कि फेस सीरम और फेस मॉइस्चराइजर में क्या अंतर है और इनमें से किसे चुनना त्वचा के लिए ज्यादा बेहतर है।

फेस सीरम क्या है?

फेस सीरम हल्का और आसानी से त्वचा में अवशोषित होने वाला स्किन केयर प्रोडक्ट है, जो त्वचा को गहराई से नमीयुक्त बनाने में मदद कर सकता है। इसके इस्तेमाल की बात करें तो आपको अपने पूरे चेहरे पर इसकी कुछ बूंदें लगानी होती हैं। यह विभिन्न त्वचा संबंधित समस्याओं जैसे काले धब्बे, महीन रेखाएं और उम्र बढ़ने के शुरुआती संकेतों को दूर करने के लिए एक बढ़िया विकल्प है।

फेस मॉइस्चराइजर से क्या समझते हैं आप?

त्वचा की रूखेपन से बचाने में फेस मॉइस्चराइजर काफी मदद कर सकते हैं और यह लोशन या क्रीम के रूप में होता है। फेस मॉइस्चराइजर त्वचा में पानी की मात्रा को बढ़ाते हैं, जिससे यह कोमल और मुलायम बनती है। त्वचा को हाइड्रेटेड रखने के अलावा फेस मॉइस्चराइजर इसे कठोर वातावरण, प्रदूषण, धूल, और सूरज की हानिकारक यूवी किरणों से बचाने में मदद कर सकते हैं।

फेस सीरम और फेस मॉइस्चराइजर में अंतर

कंसिस्टेंसी में फेस सीरम हल्के होते हैं और इनकी स्थिरता में जेल या पानी जैसी होती है, जबकि फेस मॉइस्चराइजर क्रीमी और सीरम की तुलना में अधिक भारी होते हैं। फेस सीरम मॉइस्चराइजर की तुलना में त्वचा में अधिक गहराई से प्रवेश करते हैं। फेस सीरम त्वचा को कई तरह पोषक तत्व दे सकते हैं और फेस मॉइस्चराइजर का उद्देश्य त्वचा की सतह पर पानी की मात्रा को बरकरार रखते हुए इसे हाइड्रेटेड रखना है।

फेस सीरम और फेस मॉइस्चराइजर में से किसका चयन करें?

फेस सीरम और फेस मॉइस्चराइजर, दोनों को ही स्किन केयर रूटीन का हिस्सा बनाया जा सकता है। हालांकि, अगर आपकी त्वचा रूखी या फिर कॉम्बिनेशन के प्रकार वाली है तो फेस मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करें। संवेदनशील और ऑयली त्वचा वालों के लिए फेस सीरम लगाना अच्छा है। हमेशा अपने त्वचा की जरूरत को ध्यान में रखकर ही किसी फेस सीरम या फिर फेस मॉइस्चराइजर का चयन करें।

सर्दियां अपने साथ स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव भी लेकर आती हैं, ऐसे में खुद को बीमारियों से कैसे बचाएं और सर्दियों का पूरा मजा कैसे लें, यह अच्छी तरह जान लेने की जरूरत है. चिकित्सक की सलाह है कि सर्दियों में खूब धूप सेकें, क्योंकि ऐसा न करना विटामिन-डी की कमी, अवसाद, जोड़ों के दर्द, रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी का कारण बनता है. दिन की शुरुआत नाश्ते से पहले आधा लीटर पानी पीकर करें और हर घंटे बाद उचित मात्रा में पानी पीते रहें.

सर्दियों में धूप सेकें और खूब पीएं पानी वर्ना...

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के अध्यक्ष ने कहा, यह माना हुआ तथ्य है कि सर्दियों में दिल और दिमाग के दौरे या कार्डियक अरेस्ट की वजह से मौतों के मामले बढ़ने लगते हैं. इसके कई कारण हैं. पहला तो दिन छोटे हो जाते हैं, जिससे हार्मोन में असंतुलन पैदा होता है और शरीर में विटामिन-डी की कमी आती है. इससे दिल और दिमाग के दौरे की आशंका रहती है.

उन्होंने कहा कि ठंडे मौसम में दिल की धमनियां सिकुड़ जाती हैं, जिससे दिल को रक्त और ऑक्सीजन की कमी हो जाती है. इससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है. ठंडे मौसम में खास कर उम्रदराज लोगों को अवसाद घेर लेता है, जिससे उनमें तनाव और हाईपरटेंशन काफी बढ़ जाता है. सर्दियों के अवसाद से पीड़ित लोग अक्सर ज्यादा चीनी, ट्रांस फैट और सोडियम व ज्यादा कैलोरी वाला आरामदायक भोजन खाने लगते हैं जो डायबिटीज और हाईपरटेंशन से पीड़ित लोगों के लिए बहुत ही खतरनाक हो सकता है.

इन बातों का रखें ध्यानः

- अच्छी सेहत के लिए सॉल्युबल और इनसॉल्युबल फाइबर से भरपूर आहार लें जिसमें इसबगोल का छिलका, सेब, ओनब्रैन और दालें खाएं. इनसॉल्युबल में संपूर्ण अनाज, ब्रोकली, सूखे मेवे, सीडज और वेजीटेबल स्किन शामिल होते हैं. फाइबर कई गंभीर बीमारियों से रक्षा करता है. फाइबर अपच सिंड्रोम में भी मदद करता है.
- उचित मात्रा में पानी पीने से ऊर्जा, मानसिक स्पष्टता और बेहतर पाचन बना रहता है. अपने दिन की शुरुआत नाश्ते से पहले आधा लीटर पानी पीकर करें और हर घंटे बाद उचित मात्रा में पानी पीते रहें.
- कच्चे फल, सब्जियां, अंकुरित अनाज, सूखे मेवे, बीज और ताजा जड़ी बूटियां अपने आहार में शामिल करें. कच्चे आहार एनजाइम, विटामिन और रोग प्रतिरोधक एंटीऑक्सीडेंट प्रदान करते हैं.
- खूब धूप सेकें. 80 से 90 प्रतिशत लोग विटामिन-डी की कमी से पीड़ित हैं जो सर्दी के अवसाद, जोड़ों के दर्द, रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी का कारण बनता है. इससे सर्दियों में काफी धूप लें.
- अच्छे भोजन में सात रंग और 6 स्वाद शामिल होते हैं. लाल सेब लाइकोपीन, हरी पत्तेदार सब्जियों और फलों में बी-कॉम्पलेक्स और नारंगी वस्तुओं से विटामिन-सी मिलता है. इसी तरह मीठे, कसैले और नमकीन स्वाद वजन बढ़ाते हैं, तीखे, खट्टे और कड़वे स्वाद वजन कम करते हैं.
- धूम्रपान छोड़ें! धूम्रपान वालों में अस्थमा और सांस की बीमारियां सर्दियों में आम हो जाती हैं, जो दिल के दौरे का खतरा भी बढ़ाती हैं.

सेहत और स्टाइल का रखें ख्याल,

सर्दियों में इस तरह पहनें साड़ी

सर्दियों में साड़ी के साथ सही कपड़ों का चुनाव आपको गर्म रखने के साथ ही स्टाइलिश लुक भी देता है. विनीत साड़ीज के निदेशक विनीत छज्जर ने इस संबंध में कुछ सुझाव दिए हैंः

साड़ी के साथ समान रंग के या अलग रंग के लंबे जैकेट, नेहरू जैकेट, मखमल या सिल्क के जैकेट आपको अलग लुक देने के साथ गर्म भी रखेंगे. जैकेट खरीदने के पहले कपड़े को परखना नहीं भूलें क्योंकि सर्दियों में गर्म रखने वाले कपड़े जरूरी हैं.

साड़ी के साथ स्कार्फ नहीं पहनें, क्योंकि इससे आपका पल्लू छिप जाता है, बल्कि आप स्कार्फ की तरह गर्दन पर पल्लू लपेटें. इससे आप और सुंदर लगेंगी. साड़ी के साथ जूती पहनें इससे आपके पैर गर्म भी रहेंगे और आप स्टाइलिश भी लगेंगी. पेटीकोट के बजाय लेगिंग्स या पैंट्स के साथ साड़ी लपेटें. इससे आपको गर्माहट मिलेगी. ब्लाउज की बजाय स्वेटर पहनें. यह कोई नया चलन नहीं है. फिटिंग स्वेटर पहनने से आपको गर्माहट भी मिलेगी और आप अच्छी भी दिखेंगी. आप पोलो नेक स्वेटर या केप भी पहन सकती हैं.

रखें अपनी कार का

खास ख्याल

जैसे सर्दी में आपके शरीर और हाथों को जैकेट या किसी कवर की जरूरत होती है, उसी तरह आपकी गाड़ी को भी होती है। अपनी गाड़ी के पेंट को ओस वगैरह से खराब होने से बचाने के लिए आप उस पर पॉलीमर वैक्स लगा सकते हैं, इससे पेंट के ऊपर एक तरह की कोटिंग बन जाती है।

सर्दी के मौसम में पेट्रोल की टंकी फुल रखने से आपकी गाड़ी कभी बीच में बंद नहीं पड़ेगी। दरअसल फ्यूल पंप में ठंड की वजह से पानी जमा हो जाता है, लेकिन पर्याप्त ईंधन उपयुक्त गर्मी बनाए रखता है और ऐसे में आप गाड़ी के ठंड पड़ जाने की समस्या से बच जाते हैं।

आपकी गाड़ी में इंजन एरिया में ही कूलैंट का एक बॉक्स होता है। कूलैंट सिर्फ आपकी गाड़ी को गर्मी से बचाने का नहीं बल्कि सर्दी के मौसम में ठंड से बचाने का काम भी करता है। कई कार विशेषज्ञ मानते हैं कि सर्दी के मौसम में गाड़ी के रेडियेटर्स में कूलैंट और पानी को आधे-आधे के अनुपात में रखना चाहिए, इससे इंजन का उपयुक्त फ्रीजिंग पॉइंट बना रहता है।

सर्दी के मौसम में बेहद आम समस्या है धुंध और लो विजिबिलिटी की। इससे बचने के लिए आप को अपनी गाड़ी की सभी लाइट्स को दुरुस्त रखने की जरूरत होती है।

खासकर हेड लाइट्स और फॉग लाइट। खराब रोशनी या फिर हेड लाइट्स का ऐंगल गलत होने की वजह से आपको गाड़ी चलाने में काफी दिक्कत पेश आ सकती है और आप दुर्घटना का भी शिकार हो सकते हैं। गर्मी की अपेक्षा सर्दी के मौसम में आपकी कार की बैटरी का परफॉर्मेंस काफी गिर जाता है। इसलिए अगर आपकी बैटरी पहले से थोड़ी कमजोर हो और आप किसी तरह गर्मी के मौसम में उससे काम चला रहे हों तो फिर ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि सर्दी के मौसम बैटरी का प्रदर्शन गिरना तय है।

चिरमिरी में 100 बिस्तर जिला अस्पताल का सीएम साय ने किया उद्घाटन कहा-

गुणवत्तायुक्त स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना हमारी प्राथमिकता

भरतपुर में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस (एसडीओपी) के पद की स्वीकृति, चिरमिरी, खोंगापानी, झगराखंड में ग्रिड से विद्युत सप्लाई की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण और विस्तार के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के बड़ा बाजार चिरमिरी में 100 बेड वाले सर्व सुविधायुक्त जिला चिकित्सालय का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जनकपुर में 100 बिस्तरों वाले अस्पताल के सेटअप स्वीकृत करने, भरतपुर में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस (एसडीओपी) के पद की स्वीकृति तथा चिरमिरी, खोंगापानी, झगराखंड में ग्रिड से विद्युत सप्लाई की घोषणा की। उप मुख्यमंत्री अरुण साव, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, सरगुजा सांसद चिंतामणी महाराज, विधायक रेणुका सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि इस अवसर पर उपस्थित थे।

जिला अस्पताल चिरमिरी को अत्याधुनिक उपकरणों और सुविधाओं से लैस किया गया है। इस अस्पताल में 08 चिकित्सा विशेषज्ञ नियुक्त हैं तथा 80 प्रकार के लैब टेस्ट की सुविधा उपलब्ध है। अस्पताल में 07 ओपीडी सहित 04 ऑपरेशन थिएटर बनाए गए है। जिनमें 01 ऑपरेशन थिएटर चालू है। इसे मॉड्यूल ऑपरेशन थिएटर के रूप में परिवर्तित करने का प्रस्ताव राज्य शासन को भेजा गया है। इसके साथ ही अस्पताल में 08 बिस्तर वाले आईसीयू की सुविधा भी है। इस अस्पताल के बनने से जरूरतमंद लोगों को उच्च गुणवत्ता की स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में बुनियादी ढांचा मजबूत हो इस पर राज्य सरकार का विशेष फोकस है। राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार करना शासन की प्राथमिकता में है ताकि लोगों को आसानी से अच्छी इलाज की सुविधा मिल सके। मुख्यमंत्री ने जिला अस्पताल के विभिन्न वार्डों, कक्षों तथा मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं का जायजा लिया, उपस्थित मरीजों से उनके स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी ली और उन्हें फ्ल भेंट कर उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की टीम को सेवा भाव के साथ कार्य करने की सलाह दी।

मुख्यमंत्री के हाथों चिरमिरी में जिला अस्पताल के लोकार्पण पर स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि आज जिले को 100 बिस्तरीय जिला अस्पताल के रूप में एक बड़ी सौगात मिली है। शासन की प्राथमिकता है कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की जनता तक पहुंच आसान हो, चिरमिरी का जिला अस्पताल इस अपेक्षा को पूरा करेगा। उन्होंने आगे कहा की जिलेवासियों को अब एक बेहतर अस्पताल मिल गया है जिससे चिकित्सा के क्षेत्र में लोगों को काफी सहूलियत होगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने चिरमिरी, खोंगापानी, झगराखंड में छत्तीसगढ़ ऊर्जा विभाग के ग्रिड से विद्युत सप्लाई की मांग पर विद्युत आपूर्ति करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जनकपुर में 100 बिस्तरों के अस्पताल के सेटअप की स्वीकृति की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक सुविधा की दृष्टिगत रखते हुए भरतपुर में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस को स्वीकृति प्रदान की है।

छत्तीसगढ़ में शुरू हुई मुख्यमंत्री अन्न कोष योजना, सीएम साय ने किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोमवार को सरगुजा के अंबिकापुर से विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समुदाय की गर्भवती एवं शिशुवती माताओं को अतिरिक्त पोषण आहार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री अन्न कोष योजना का शुभारंभ किया। जिला प्रशासन सरगुजा द्वारा यह योजना पायलट प्रोजेक्ट की शुरू की गई है। इससे पहाड़ी कोरवा समुदाय में मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर को कम करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री साय ने जिला प्रशासन द्वारा तैयार की गई कैरियर निर्देशिका का भी विमोचन किया।

मुख्यमंत्री साय इस अवसर पर पीजी कॉलेज ग्रांउड में आयोजित कार्यक्रम में 536 करोड़ 14 लाख की लागत वाले 1614 विकास एवं निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया और कहा कि इससे सरगुजा जिले के विकास में तेजी आएगी। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर अंबिकापुर नगर निगम क्षेत्र अधोसंरचना विकास के लिए 23.90 करोड़ रूपए दिए जाने की घोषणा की। उन्होंने सुपर स्पेशियल्टी हॉस्पिटल अंबिकापुर को डीकेएस रायपुर की तर्ज पर विकसित करने तथा विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग कॉलेज का नाम शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज किए जाने की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर मां महामाया को नमन करते हुए जिलेवासियों को विकास कार्यों की बधाई देते हुए कहा कि अंबिकापुर छत्तीसगढ़ ही नहीं देश के सबसे सुंदर और साफ सुथरे शहरों में शामिल है। यह सब नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारियों, हमारे सफाई मित्रों और स्वच्छता दीदियों के योगदान से हो पाया है। अंबिकापुर के नागरिकों को भी इसका श्रेय देना चाहूंगा, जिनके सहयोग से अंबिकापुर स्वच्छ और सुंदर बना हुआ है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर जनता ने विश्वास किया है। 13 दिसंबर को छत्तीसगढ़ सरकार का एक साल पूरा हो रहा है। इस एक साल के अल्पकाल में ही सरकार ने मोदी की गारंटी के बड़े बड़े कामों को पूरा करने का प्रयास किया है। बीते पांच सालों में गरीब जरूरतमंद परिवार, जो प्रधानमंत्री आवास से वंचित थे, उनके आवास स्वीकृत एवं निर्मित किए जा रहे हैं। शासन द्वारा 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान की खरीदी की जा रही है। किसानों को धान का मूल्य 3100 रुपए प्रति क्विंटल देने के लिए शासन प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से 70 लाख से ज्यादा माताओं और बहनों को लाभान्वित किया जा रहा है। तेंदूपत्ता का पारिश्रमिक अब 5500 रुपए प्रति मानक बोरा मिल रहा है। श्रीराम लला दर्शन यात्रा योजना से 20 हजार से ज्यादा श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम जाकर भगवान श्री राम के दर्शन का सौभाग्य मिला है। हमने वायदे के मुताबिक पीएससी परीक्षा में पारदर्शिता लाने का काम किया है। बीते वर्ष पीएससी की भर्ती प्रक्रिया में हुए भ्रष्टाचार की जांच सीबीआई कर रही है। उपमुख्यमंत्री श्री साव ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सरगुजावासियों को जिले के विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमिपूजन की शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस मौके पर वहां लगाए गए शासकीय विभागों के स्टालों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत लाभान्वित हितग्राहियों को सामग्री एवं राशि का वितरण भी किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर उल्लेखनीय कार्य के लिए स्वयं सेवक बानी मुखर्जी, मितानिन परिमनिया यादव, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता प्रमिला तिर्की एवं पुरो बाई, स्वच्छता दीदी सुनीता सारखेली, लुण्ड्रा के मंडल संयोजक रघुनाथ प्रसाद, व्याख्याता लीना थॉमस को सम्मानित किया।

कार्यक्रम में लोक स्वास्थ्य परिवार कल्याण एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, महिला एवं बाल विकास एवं समाज कल्याण विभाग मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, सरगुजा सांसद चिंतामणी महाराज, अम्बिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल, लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो, प्रतापपुर विधायक शकुंतला पोर्ते, सामरी विधायक पैंकरा छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्वविजय सिंह तोमर सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

सपनों को साकार कर आत्मनिर्भर बनी कविता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कविता खान का मानना है कि दृढ़ निश्चय से हर कठिनाई को पार किया जा सकता है। उन्होंने यह साबित कर दिया कि महिलाएं अगर अपने सपनों को साकार करने की ठाने तो आत्मनिर्भरता की नई मिसाल प्रस्तुत कर सकती हैं। कविता के इस सफलता के पीछे प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना की भी महत्वपूर्ण भूमिका है, जिसने उनके जैसे कई अन्य लोगों को अपने सपनों को साकार करने का अवसर दिया है।

केंद्र एवं राज्य सरकार महिलाओं के कल्याण और उन्हें हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही हैं। शासन की योजनाओं से आज महिला सशक्तिकरण की परिकल्पना साकार हो रही है। महिलाएं विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ उठाकर न केवल अपने पैरों में खड़े हो रही हैं बल्कि अपने परिवार के पालन पोषण में भी मदद कर रही हैं। कोंडागांव की कविता खान ऐसी ही महिला है जिन्होंने अपनी मेहनत और लगन से शासन की योजना का लाभ उठाकर आज एक सफल

उद्यमी के रूप में अपनी पहचान बनाई है। उनकी यह कामयाबी न केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता की कहानी है, बल्कि जिले की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है।

कठिन परिस्थितियों से शुरू हुआ सफर

कविता स्वयं का व्यवसाय शुरू कर आत्मनिर्भर बनना चाहती थी, लेकिन उनके लिए यह राह आसान नहीं था। घर से बाहर निकलकर खुद का व्यवसाय शुरू करना एक बड़ी चुनौती थी। प्रारंभ में उन्होंने घर से ही अपना बेकरी का कार्य करती थी। उनका सपना एक बेकरी की दुकान खोलना था पर आर्थिक समस्या ने उनकी राह और भी मुश्किल बना दी थी।

रोजगार सृजन योजना ने दी उम्मीदों को नई दिशा

प्रधानमंत्री रोज़गार सृजन योजना के तहत मिली आर्थिक सहायता कविता के लिए उम्मीद की नई किरण बनकर आई। अपनी मां की प्रेरणा से उन्होंने अपनी जमा पूंजी और ऋण की राशि को मिलाकर कोण्डागांव में ड्रीम कैक्स एण्ड बैक्स के नाम से बेकरी की दुकान शुरू की। शुरुआत में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, लेकिन पति और परिवार के सहयोग ने उन्हें आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने में मदद की। कविता ने बताया कि शुरुआत में घर और व्यवसाय दोनों को संभालना मुश्किल था। लेकिन अगर आत्मनिर्भर बनना है, तो मुश्किलों का सामना करना ही पड़ता है। इसके बाद उन्होंने बैंक से साढ़े पांच लाख रुपये का लोन लिया, जिसमें तीन लाख रुपये टर्म लोन और ढाई लाख रुपये सीसी लोन शामिल था। इस राशि से और अपनी जमा पूंजी से उन्होंने आवश्यक मशीनरी और सामग्री खरीदी।

आज उनकी बेकरी की दुकान अच्छी तरह से चल रही है। हर महीने उन्हें लगभग 30 से 40 हजार रुपए की आमदनी होती है। उन्होंने बताया कि दो कर्मचारियों की सहायता से वे व्यवसाय का संचालन कर रही हैं। उनके पति और बच्चों का सहयोग उनकी सफलता का मजबूत आधार बना। कविता ने शासन की योजना की सहायता से उनके सपनों को साकार किया इसके लिए केन्द्र एवं राज्य शासन को धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 'गाय - धर्म और विज्ञान' पुस्तक का किया विमोचन

राज्य सरकार गौ माता के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ राज्य गौ संरक्षण एवं संवर्धन समिति द्वारा प्रकाशित गाय - धर्म और विज्ञान पुस्तक का विमोचन किया। मुख्यमंत्री श्री साय को इस अवसर पर समिति के सदस्यों ने बताया कि इस पुस्तक में गाय के धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व को बताया गया है। पूरे देश में 4 जनवरी 2025 को गौ-विज्ञान परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें देश भर के लगभग सवा लाख स्कूली छात्र-छात्राएं सम्मिलित होंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने गौमाता के महत्व से बच्चों को परिचित कराने के लिए आयोजित की जा रही इस परीक्षा के सफल आयोजन

के लिए समिति के सदस्यों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गौ माता के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। हमारी सरकार ने राज्य के 125 गौशालाओं को चारे के लिए दी जा रही अनुदान राशि प्रति गाय 25 रुपए से बढ़ाकर 35 रूपए करने की घोषणा की है। राज्य सरकार द्वारा गौ माता के संरक्षण और संवर्धन के लिए आयोग का गठन किया है। राज्य सरकार ने गौ धाम बनाने तथा गौमूत्र और गोबर के उपयोग को बढ़ावा देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि घर-घर इस पुस्तक के नि:शुल्क वितरण से लोगों में गौ माता के प्रति जागरुकता आएगी। इस अवसर पर गाय धर्म और विज्ञान पुस्तक की संकलनकर्ता- संपादक श्रीमती शताब्दी सुबोध पाण्डे सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

विष्णु के सुशासन की सरकार का परिणाम है कि हर वार्ड में हो रहे लाखों के विकास कार्य : उद्योग मंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रगतिपथ पर कोरबा विधानसभा के विकास कार्य तेज रफ्तार से हो रहे हैं, ये विष्णु के सुशासन की सरकार का ही परिणाम है कि अब एक-एक वार्ड में 50 लाख से एक करोड़ तक के कार्य एक साथ प्रारंभ हो रहे हैं। अभी तो सरकार को एक साल ही हुए हैं, आने वाले 4 वर्षों में वार्डों को सारी समस्याओं से मुक्त और सुविधाओं से परिपूर्ण करने के लक्ष्य लेकर हम काम कर रहे हैं।

उक्त बातें वाणिज्य उद्योग और श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने कोरबा नगर निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 32 डिंगापुर में आयोजित चार वार्डों में होने वाले 1.11 करोड़ के 12 विकास कार्यों के भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के आसंदी से कही। इस अवसर पर मंत्री देवांगन ने भूमिपूजन कर शिलापट्टिका का अनावरण किया।

मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि हमारा एक ही प्रयास है विकास और तेज रफ्तार से कोरबा का विकास। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि

विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत के बाद एक ही प्रयास रहा है कि किस तरह वार्डो और मोहल्लों को विकास हो। जिस तेज रफ्तार से कोरबा शहर बढ़ रहा है उसी रफ़्तार से विकास करने पर भी जोर दिया जा रहा है। ताकि हर गली आने वाले 5 साल में पक्की हो सके, नाली निर्माण और बिजली के खंभे लग सके।मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि वार्ड क्रमांक 32 रिसदी में कुछ वर्ष पूर्व जर्जर आंगनबाड़ी धराशाही होकर ढह गया था। तब से वार्ड वासी मांग कर रहे थे कि सभी जगह नए आंगनबाड़ी भवन का निर्माण हों, मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि सरकार आते ही सभी आंगनबाड़ी भवन के मरम्मत और निर्माण की स्वीकृति दे दी गई है। आज इस वॉर्ड में तीन नए आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण होने जा रहा है। 0 वार्ड की महिलाओं ने किया उद्योग मंत्री का अभिनन्दन डिंगापुर में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में पहुंचे मंत्री श्री देवांगन का वॉर्ड की महिलाओं ने आत्मीय स्वागत किया। महिलाओं ने मंत्री श्री देवांगन का आभार जताते हुए कहा कि जिन कार्यों की लंबे समय से मांग थी वह अब जाकर पूरी हो रही है।

इन कार्यों की मंत्री देवांगन ने रखी आधारशिला

वार्ड क्रमांक 29, पोड़ीबहार में सीसी रोड निर्माण कार्य लागत 10 लाख, वॉर्ड क्रमांक 31 दादर बांसवाडी के सामने सामुदायिक भवन निर्माण कार्य लागत 10 लाख, वॉर्ड क्रमांक 31 हाउसिंग बोर्ड कालोनी में सांस्कृतिक मंच निर्माण लागत 5 लाख, वार्ड क्रमांक 32 सतनाम नगर बस्ती में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य 10 लाख, वॉर्ड क्रमांक 33 रामपुर बस्ती में सीसी रोड निर्माण कार्य लागत 10 लाख, वार्ड क्रमांक 33 में नाली निर्माण 5 लाख, वार्ड क्रमांक 32 डिंगापुर 1, डिंगापुर 2, रिश्दी 1 में क्रमश: 12-12 लाख की लागत से तीन आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण, वार्ड क्रमांक-31 दामाद मोहल्ला दादरखुर्द में सीसी रोड निर्माण कार्य 10 लाख, वॉर्ड क्रमांक 32 डिंगापुर संस्कार स्कूल के सामने सामुदायिक भवन निर्माण कार्य 10 लाख, वार्ड क्रमांक 32 रिश्दी बाजार के पास मुक्तिधाम निर्माण 5 लाख, कुल 1 करोड़ 11 लाख के विकास कार्यों की आधारशिला रखी गई। इस अवसर पर पार्षद अजय गोंड, नारायण दास महंत, सुकुंदी यादव, पीलूराम साहू, सुमन सोनी, पूर्व पार्षद दिनेश वैष्णव, रमा मिरी, गुड़िया यादव,चन्दन सिंह, संजू सिंह, लक्ष्मण श्रीवास, शिव चंदेल, वैभव शर्मा, ललेश दुबे, अभिषेक पालीवाल समेत अधिक संख्या में कार्यकर्ता व वॉर्ड के स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

खास खबर

पुष्पा-2 का कलेक्शन लूट ले गए नकाबपोश लुटेरे, भिलाई तीन के मुक्ता टाकीज में आधीरात की घटना

भिलाई। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में मुक्ता मल्टीप्लेक्स सिनेमा हॉल में लुटेरों ने 1 लाख 17 हजार की लूटपाट की है। फिल्म पुष्पा-2 की वजह से सभी सिनेमा हॉल हाउस फुल चल रहे हैं। फिल्म की कमाई देखकर लुटेरों ने साजिश रची। मामला पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र का है।

बदमाशों ने गार्ड से मारपीट की और गर्दन पर चाकू अड़ाकर वारदात को अंजाम दिया। 2 नकाबपोश लुटेरों ने टॉकीज के अंदर लूटपाट की है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। रविवार-सोमवार देर रात 2 बजे तक लास्ट शो छूटा। इसके बाद वहां का स्टाफ टॉकीज को बंद कर घर चला गया। वहां सुरक्षा के लिए एक गार्ड की ड्यूटी लगाई गई थी। सोमवार तड़के करीब 4 बजे बाइक पर 2 नकाबपोश लड़के आए।

इस दौरान दोनों सीधे सिनेमा घर के अंदर घुस गए। वहां मौजूद सिक्योरिटी गार्ड नोहर देवांगन ने उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन दोनों ने उसे जमकर पीटा। इसके बाद उसकी गर्दन पर चाकू अड़ा दिया। उसे एक कमरे में बंद कर दिया। इसके बाद उसके पास से लॉकर की चाबी ली। वहां से 1 लाख 17 हजार रुपए की लूट की। जिस समय लुटेरों ने लूट को अंजाम दिया, वहां एक लॉकर में 52 हजार और दूसरे में 65 हजार रुपए थे। दोनों लॉकर को खाली कर भाग गए। वारदात के बाद सुबह जब टॉकीज का स्टाफ ड्यूटी पर पहुंचा तो देखा की सिनेमा हॉल का दरवाजा खुला है। फिर उन्होंने कमरे का दरवाजा खोला तो अंदर से गार्ड चिल्लाते हुए निकला। उसने उन्हें पूरी हकीकत बताई। इसके बाद स्टाफ ने मैनेजर दीपक कुमार को फोन कर बुलाया। गार्ड के साथ मैनेजर ने पुरानी भिलाई थाने में शिकायत दर्ज कराई।

मामले में छावनी सीएसपी हरीश पाटिल ने बताया कि लुटेरे टॉकीज में लगे सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर निकालकर ले गए हैं। पुलिस को आसपास लगे दूसरे कैमरों से फुटेज मिला है। उसमें दिखाई दे रहे हैं कि 2 नकाबपोश आरोपी मॉल में घुसे हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

शादी में गया था परिवार सूने मकान में हो गई चोरी

कोरबा। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में निवासरत एक परिवार शादी में शामिल होने गया था। इस दौरान उनके सूने मकान में चोरों ने धावा बोलकर चोरी कर ली। शहर के आईटीआई कॉलोनी में आईटीआई कर्मी खिलावन सिंह कंवर (56) सपरिवार निवासरत है। कंवर परिवार बुधवार को शादी कार्यक्रम में शामिल होने समीप सीएसईबी कॉलोनी स्थित जूनियर क्लब गया था। इस दौरान उनके सूने मकान को चोरों ने निशाना बनाया, जहां ताला तोड़कर चोरी की गई। परिवार के लौटने पर मकान से जेवर और नकदी रकम समेत अन्य सामान चोरी होना पाया गया। घटना की रिपोर्ट पर सिविल लाइन पुलिस केस दर्ज कर जांच कर रही है। इसी तरह उरगा थाना अंतर्गत कनकी गांव में रहने वाले रमानारायण राजवाड़े के घर में भी ताला तोड़कर चोरी की गई। वहां भी अलमारी तोड़कर उसमें मौजूद 19 हजार 7 सौ रुपए समेत सोने-चांदी के जेवर की चोरी कर ली गई।

नौकरी लगाने के नाम पर लाखों की ठगी करने वाले चार गिरफ्तार, जेवर गिरवी रख रुपए देते थे युवक

बिलासपुर जिले के सिविल लाइन थाना क्षेत्र का मामला, 13 लाख नगद, सात मोबाइल व कार बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर जिले में नौकरी लगाने के नाम पर लाखों की ठगी करने वाले चार शातिर आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शातिर आरोपी बेरोजगार युवक युवतियों को निशाना बनाते थे। दो दर्जन से अधिक लोग ठगी के शिकार हुए थे। आरोपियों के पास से सात मोबाइल, 13 लाख रुपये नकद, एक इनोवा कार व अन्य सामग्री जब्त किया गया है। सिविल लाइन पुलिस ने कार्रवाई की है।

मुख्य आरोपी कपिल गोस्वामी अपने साथी सरपंच प्रतिनिधी ईश्वर चौहान, तथाकथित पत्रकार गुरू दिव्यशंकर, राजेश पलांगे के साथ मिलकर शासकीय नौकरी की चाह रखने वाले बेरोजगार युवको की पहचान करते थे और उन्हें शासकीय नौकरी लगाने का प्रलोभन देते थे। सरपंच प्रतिनिधी ईश्वर चौहान, तथाकथित पत्रकार गुरू दिव्यशंकर, राजेश पलांगे एवं अन्य साथी बेरोजगार युवको केा इस बात का भरोसा दिलाते थे कि कपिल गोस्वामी का संपर्क सभी शासकीय विभागो में है। कपिल गोस्वामी महंगी गाड़ी इनोवा में ड्रायवर एवं बॉडीगार्ड के साथ घूमता था, जब बेरोजगार युवक इनके झांसे में आ जाते थे, तब कपिल गोस्वामी के साथियो के द्वारा अलग अलग शासकीय विभागो में नौकरी की रकम बतायी जाती थी।

बेरोजगार युवक अपने घर के रिश्तेदारो, परिजनो से उधार रकम लेकर, घर के जेवर गिरवी रखकर नौकरी की चाह में पैसा एकत्र कर कपिल गोस्वामी देते थे। रकम देने पर युवको को फर्जी नियुक्ति प्रमाण पत्र दिखाकर डॉक्यूमेंट वेरीफिक्रेशन के नाम पर उनके ओरिजनल डॉक्यूमेंट रखकर वेरीफिक्रेशन के बाद नियुक्ति पत्र दिये जाने का आश्वासन दिया जाता था। कपिल गोस्वामी पूर्व में नौकरी लगाने के नाम पर ठगी करने के आरोप में जेल जा चुका है। शातिर किस्म का ठग है।

आरोपी युवक संगठित तौर पर राज्य के अलग अलग जिलो के बेराजगार युवकों को पीडब्लूडी, पुलिस विभाग, जेल विभाग, पीएचई विभाग, वन विभाग, शिक्षा विभाग में नौकरी लगाने के नाम पर लगभग दो दर्जन से अधिक युवक-युवतियों से ठगी की गई। मामले के मुख्य आरोपी कपिल गोस्वामी ने अपने सहयोगियों तथाकथित पत्रकार गुरूशंकर दिव्य, सरपंच प्रतिनिधि ईश्वर चौहान एवं अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर की करोड़ो की ठगी की है। आरोपियों के पास लगभग 13 लाख, एक इनोवा कार कीमती 20 लाख एवं बैंक एकाउंट में तीन लाख सीज कराई गई है।

लाखों ठगी करने वाले भाई-बहन गिरफ्तार

कोरबा। नौकरी लगाने के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले भाई-बहन को दीपका पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों ने कोर्ट में बाबू का नौकरी दिलाने के नाम पर दो लोगों से साढ़े चार लाख की ठगी की थी। प्रार्थी के शिकायत के बाद दीपका पुलिस ने कड़ी कार्यवाही करते हुए दोनों भाई बहन को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़ी गई युवती खुद को वकील बताती थी। अधिकारियों और नेताओं से ऊंची पहुंच का धौंस जमाकर लोगों से ठगी करती थी।

दीपका थाना प्रभारी प्रेम चंद साहू ने बताया कि 7 दिसंबर को प्रार्थी संजय दास द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया था कि आरोपीया सुमन सिंह द्वारा अपने भाई जय सिंह के साथ मिलकर प्रार्थी और उसके दोस्त का सरकारी नौकरी लगाने के नाम पर धोखाधड़ी कर 4 लाख 50 हज़ार रुपए वसूल लिए हैं। उक्त रिपोर्ट पर थाना दीपका में अपराध क्रमांक 415/2024 धारा 420,34 भा द वि पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामले में आरोपियों की तलाश की जा रही थी। दोनों आरोपियों को जांजगीर चांपा और बिलासपुर से गिरफ़्तार कर किया गया है। दोनों आरोपी रिश्ते में भाई बहन लगते हैं।

जय सिंह और सुमन सिंह दोनों जांजगीर के रहने वाले हैं। भाई-बहन ने इनके अलावा कई लोगो को ठगी का शिकार बनाया है।

पीड़ित की माने तो उसकी मुलाकात युवती से रायपुर में हुआ इस दौरान उसने कहा कि कोर्ट में बाबू का पद खाली है उस पर सरकारी नौकरी लगा सकता हु और उसने झांसे में लेकर ठगी की जब नौकरी नही लगी तब उसने पैसे वापस भी मांगे लेकिन देने को तैयार नही थी उसने भाई को भी अपने साथ रखा था दोनो ने ठगी की है। बताया जा रहा है कि भाई बहन ने और भी कई लोगो से ठगी की है पुलिस इस बारे में जानकारी एकत्रित कर रही है। फिलहाल, पुलिस ने दोनों भाई बहन को गिरफ्तार कर लिया है और मामले में आगे जांच की जा रही है।

नेशनल हाइवे पर हादसे में तीन लोगों की मौत कई लोग घायल, मेला देखकर लौट रहे थे सभी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। बालोद जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-30 पर दो अलग-अलग भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। पहला हादसा मरकाटोला घाट के पास हुआ, जहां दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, दूसरा हादसा बालोद गहन के समीप हुआ, जहां एक व्यक्ति की मौत हो गई और दूसरा हादसा ऑटो सवार लोगों के साथ हुआ है।

घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर थाने की टीम पहुंची हुई है और वनांचल क्षेत्र होने के कारण पुलिस से संपर्क नहीं हो पा रहा है। पहले हादसे में मृत दोनों युवकों कांकेर जिले के बताए जा रहे हैं, जिसमें एक गोल कुम्हड़ा और दूसरा दुधवा का रहने वाला है। दोनों बालोद वीर मेला देख लौट रहे थे, जहां रास्ते में यह घटना हुई बोलोरो में सवार लोगों को भी चोटें आई है।

राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-30 पर ग्राम करेंझर के मैदान में तीन दिवसीय विराट वीर मेले का आयोजन किया जा रहा है। हालांकि पुलिस द्वारा रूट डायवर्ट किया गया है। बावजूद इसके यहां पर हादसों में कमी नहीं आ रही है। यहां पर नेटवर्क की भी काफी समस्या है। इस आयोजन के दूसरे दिन यानी आज एक घंटे के भीतर दो हादसे की बात सामने आ रही है। दोनों अलग-अलग हादसे में तीन लोगों की मौत हो चुकी है। हादसे में मृत युवकों की पहचान देवराज कोड़ोपी (23) पुत्र छेदीलाल निवासी ग्राम धनोरा, दुधावा और टिकेश्वर मंडावी (24) पिता खिलेश मंडावी के रूप में हुई है।

दूसरा हादसा, एक की मौत

नेशनल हाइवे 30 पर एक और घटना हुई है। इस हादसे में एक की मौत हो गया है। जानकरी के मुताबिक, नेशनल हाइवे में पुरुर थाना क्षेत्र के साहू ढाबा के आगे मोटरसाइकिल और पिकअप वाहन की टक्कर के बाद में टक्कर के बाद ऑटो की भी मोटरसाइकिल से टकरा गया। इस हादसे में एक युवक की मौत हो गई और सात लोग घायल हो गए।

कबीरधाम में रफ्तार का कहर : तीन अलग-अलग सड़क हादसे में एक की मौत और एक घायल

कबीरधाम। कबीरधाम जिले में तीन अलग-अलग सड़क हादसे में एक की मौत व एक गंभीर रूप से घायल हो गया। पहला सड़क हादसा कल रविवार शाम को रायपुर रोड स्थित मंगलू ढाबा (कवर्धा) के पास हुआ। ट्रक क्रमांक सीजी 09 जेसी 2491 ने बाइक सवार युवक बुधेलाल को टक्कर मार दी। इस हादसे में बुधेलाल को गंभीर चोट आई, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान आज सोमवार को बुधेलाल की मौत हो गई।

दूसरा सड़क हादसा सालिया (लोहरा) गांव में आज सोमवार की सुबह बस व कार में टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। राहत की बात रहीं कि घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। इसी प्रकार तीसरा सड़क हादसा सोनपुरी गांव के पास हुई है। यहां दो पिकअप वाहन आपस में टकरा गए। एक पिकअप सब्जियों से भरा हुआ था, जो नर्मदा से लोरमी की तरफ जा रहा था। चालक के अनुसार, वह सामान्य गति से वाहन चला रहा था, लेकिन दूसरे ने ओवरटेक करने की कोशिश में उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद सब्जियों से भरा वाहन सड़क पर पलट गया। चालक गंभीर रूप से घायल है, जिसे जिला अस्पताल कवर्धा में भर्ती कराया गया है। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार दोनों वाहन स्पीड में थे। आमतौर पर जिले में सब्जी से भरे वाहन स्पीड में चलते है। क्योंकि, इन वाहन को जल्द से जल्द सब्जी मंडी पहुंचना होता है।

अमरकंटक चौक मंगली बाजार इलाके में हुई चाकूबाजी, युवक घायल, जांच में जुटी पुलिस

गौरेला थाना क्षेत्र का मामला, शिकायत के बाद पुलिस ने दर्ज किया मामला

श्रीकंचनपथ न्यूज

गौरेला पेंड्रा मरवाही। गौरेला में भीड़भाड़ वाले अमरकंटक चौक मंगली बाजार इलाके में एक बार फिर से चाकूबाजी की घटना सामने आई है। साइकिल से घर जा रहे दाबेली दुकान संचालक के ऊपर पुरानी रंजिश को लेकर चाकूबाजी की गई। घटना में युवक को गंभीर चोट आई है, जिसे तत्काल स्थानीय लोगों की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, भीड़ ने आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले किया है। फिलहाल पुलिस मामले में हत्या का प्रयास करने का मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई किये जाने की बात कह रही है।

दरअसल, पूरा मामला बीते 24 नवंबर के है, जब गौरेला के कमानिया गेट के पास दाबेली की दुकान लगाने वाले गिरधारी सोनी और लवकुश सोनी दोनों भइयों का दाबेली खाने और पैसा न देने को लेकर उनका विवाद गौरेला के ही रहने वाले कान्हा नामदेव से हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि गिरधारी और लवकुश सोनी दोनों भाइयों ने मिलकर कान्हा नामदेव पर चाकू से हमला कर दिया। मामले में पुलिस ने भी दोनों भाइयों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इसके बाद गिरधारी और लवकुश दोनों भाई जमानत पर जेल से छूट गए।

इसके बाद कान्हा नामदेव लगातार दोनों भइयों से रंजिश रखता था और शाम को गौरेला के भीड़भाड़ वाले अमरकंटक चौक मंगली बाजार के पास साइकिल से घर की ओर जा रहे गिरधारी सोनी पर कान्हा नामदेव ने हमला कर दिया और गिरधारी के आंखों में अपनी उंगली घुसा दी, जिससे गिरधारी वहीं बैठ गया और आसपास के लोग बीच-बचाव कर मामला शांत करा दिया, लेकिन कुछ ही देर के बाद कान्हा नामदेव चाकू लेकर वहां पहुंचा और गिरधारी सोनी पर ताबड़तोड़ चाकू से हमला कर दिया।

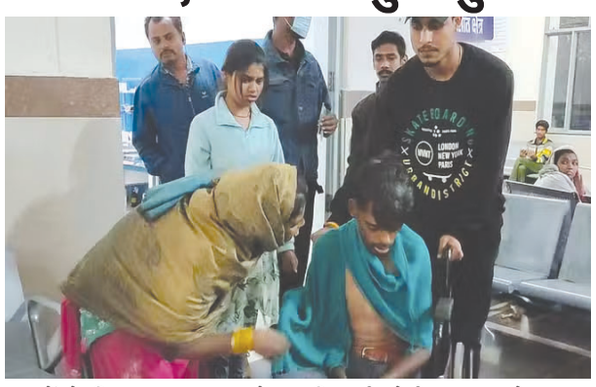

गंभीर हालत में युवक को किया अस्पताल में भर्ती

आसपास के लोग फिर दोनों की लड़ाई छुड़ाए और गंभीर हालत में गिरधारी सोनी को अस्पताल भेजा और कान्हा नामदेव को पुलिस के हवाले किया है। गिरधारी सोनी की हालत खतरे के बाहर है। वहीं, मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों की मानें तो आरोपी ने पुरानी रंजिश के चलते चाकुओं से हमला किया है। मामले में हत्या का प्रयास का मामला दर्ज किया जाएगा। वहीं, बीते सात माह में यह तीसरी चाकूबाजी की घटना गौरेला थाना क्षेत्र में हुई है, जिससे लोगों में खासी नाराजगी भी है।

घरौंदा सेंटरों की बदहाली और सुरक्षा पर दायर याचिका सुनवाई में हाईकोर्ट ने दिए निरीक्षण के निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। प्रदेश में संचालित घरौंदा सेंटरों की बदहाली और यहां रह रहे महिला व बच्चों की सुरक्षा को लेकर चल रही जनहित याचिका पर सोमवार को सुनवाई हुई। मुख्य न्यायाधीश रमेश कुमार सिन्हा और न्यायाधीश अमितेंद्र किशोर प्रसाद की युगलपीठ में सुनवाई हुई। जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश रमेश कुमार सिन्हा की बैंच ने कोर्ट कमिश्नरों को घरौंदा केंद्र का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। वहीं, अगली सुनवाई में जनवरी 2025 में होगी।

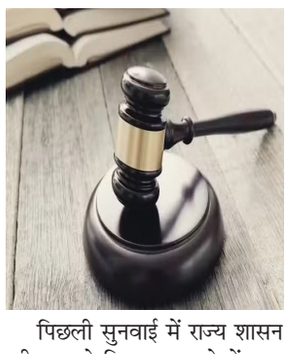

पिछली सुनवाई में राज्य शासन की तरफसे दिए हलफनामे में कहा गया था कि घरौंदा महिला केंद्र को डिपूपारा, बिलासपुर से शासकीय आश्रयदत्त कर्मशाला, तिफरा, बिलासपुर के पीछे स्थित भवन में स्थानांतरित कर दिया गया है, जहां महिला संवासिनीयों के रहने के लिए पर्याप्त स्थान है। यह भी प्रस्तुत किया गया है। तिफरा, बिलासपुर के शासकीय मूक, बधिर एवं अंध विद्यालय के पास स्थित भवन में रख-रखाव का कार्य प्रगति पर है।

नौ दिसंबर 2024 को फिर से सुनवाई में सचिव ने शपथपत्र दाखिल किया है। वहीं, इस बीच, न्यायालय आयुक्तों को संबंधित घरौंदा केंद्र का दौरा करने और नई रिपोर्ट दाखिल करने कहा है। अगली सुनवाई जनवरी के तीसरे सप्ताह 2025 में सुनिश्चित की गई है। छत्तीसगढ़ न्यायालय ने सचिव, समाज कल्याण विभाग रायपुर इस संबंध में अगली तिथि तक नया हलफ्नामा दाखिल करने के आदेश दिए हैं।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)
दुर्ग, दिनांक 04.12.2024

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)
(द्वितीय आमंत्रण)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र ''अ'' में प्रतिशत दर पर दिनांक 19.12.2024 तक आमंत्रित की जाती है :-

निविदा आमंत्रण सू.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
151/दुर्ग(बेमे.)/2024	ठाकुर महाराज सिंह शासकीय कॉलेज थान खम्हरिया पहुंच मार्ग में डामर नवीनीकरण कार्य	22.84

टीप :-
1. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstste.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है.
2. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय से भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें.

अधीक्षण अभियंता
जी- 242504435/4 लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग
दूरभाष- 0788-2210876

नाम परिवर्तन

मैं सोलेन्द्र कुमार देवांगन पिता अर्जुन लाल देवांगन पता - 367/2, कोहका वार्ड 12, बजरंग पारा सुपेला भिलाई तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) का निवासी हूं। यह कि मेरे पुत्र का जन्म दिनांक 30.12.2023 को जन्म स्थल चन्दूलाल चन्द्राकर स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय कचांदुर जिला दुर्ग छ.ग. में हुआ है। जिसका जन्म प्रमाण पत्र रजिस्ट्रार जन्म / मृत्यु चन्दुलाल चन्द्राकर स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय कचांदुर तह व जिला दुर्ग छ.ग. से जारी हुआ है। जिसका पंजीकरण संख्या बी 2023:22-991075 00132, दिनांक 06.01.2024 जारी दिनांक 06.01.2024 है पंजीकरण तारीख 31.12.2023 हैं। यह कि मेरे पुत्र का नाम जन्म प्रमाण पत्र में उनका नाम योगेश्वर देवांगन अंकित है जिसे बदलकर मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में उसका नाम दीक्षांत देवांगन (DEEKSHANT DEWANGAN) दर्ज किया जाएं।

अत: अब से समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे पुत्र को दीक्षांत देवांगन (DEEKSHANT DEWANGAN) के नाम से जाना व पहचाना जावें।

सोलेन्द्र कुमार देवांगन
पता - 367/2, कोहका वार्ड 12, बजरंग पारा सुपेला भिलाई

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
तांदुला जल संसाधन संभाग ,जिला- दुर्ग (छ.ग.)
(E-mail:- eetwrdrg@cgwrd.in, Govt. ID- eetwrdrg-wrd@cg.gov.in)
(टेलीफोन नं. 0788-4036118)

आदेश क्रमांक 5807/व.ले.लि./2024-25 दुर्ग, दिनांक : 05.12.2024

सिस्टम निविदा क्र. 156625/निविदा सूचना क्र. 10/वलेलि/2024-25, दुर्ग, दिनांक 29.07.2024 के माध्यम से दुर्ग जिले के विकासखण्ड पाटन की भनसुली नाला पर ग्राम तेलीगुण्डरा में स्टापडेम निर्माण कार्य की आमंत्रित निविदा में न्यूनतम निविदाकार द्वारा अनुबंध नहीं किये जाने के फलस्वरूप उनकी अमानत राशि राजसात करते हुए निरस्त की जाती है.

जी- 242504420/5

(आशुतोष सारस्वत)
कार्यपालन अभियंता
तांदुला जल संसाधन संभाग, दुर्ग (छ.ग.)

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी

RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030

Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more

पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस

फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता

कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में
रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि

128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।

Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

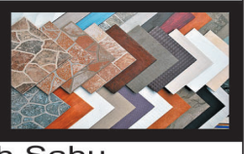

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

छत्तीसगढ़ शासन
सत्यमेव जयते

विष्णु के सुशासन से
सँवर रहा छत्तीसगढ़

समर्थन मूल्य और रकबा बढ़ा

3100 रुपए प्रति क्विंटल

की दर से किसानों से 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से जुड़ने के लिए यह क्यूआर कोड स्कैन करें ...

श्री विष्णुदेव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

RO-42362/1

हमने बनाया है, हम ही सँवारेंगे

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950